+91 7014373732
marudharnews.com
info@marudharnews.com
खबरों और विज्ञापन हेतु संपर्क करें
हिन्दुस्तान की नई आवाज

मरूधर हिन्द

CIN NO.- U74999RJ2020PTC067985
UN NO.- RJ02D0022186
मरूधर हिन्द अब एक नए अंदाज में

वर्ष : 03 | अंक : 167 | जयपुर, बुधवार 20 जून 2022 | कुल पेज : 6

आज का पंचांग

विक्रम संवत् 2079
मास - श्रावण

- तिथि - सप्तमी
- वार - बुधवार
- पक्ष - कृष्ण पक्ष
- सूर्योदय - 05.29 प्रातः
- सूर्यास्त - 06.57 सायं
- चन्द्रोदय - 11.49
- नक्षत्र - रेवती
- योग - सुकर्मा
- सूर्यराशि -कर्क
- चन्द्रराशि - मीन/मेष
- शुभकाल 10.32 से 12.13 दोप.
- राहुकाल 12.13 से 01.54 दोप.

दिशा शूल : उत्तर

आवश्यक होने पर धनिया या तिल खा कर यात्रा आरंभ करें।

स्टार डायजेस्ट

नीट परीक्षा में छात्राओं के कपड़ा उतरवाने पर राष्ट्रीय महिला आयोग सख्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने केरल में नीट यूजी 2022 परीक्षा से पहले स्क्रीनिंग के दौरान कई छात्राओं को अपने इनरवियर को उतारने के लिए मजबूर किए जाने के मामले को गंभीरता से लिया है। आयोग ने मामले में संज्ञान लेते हुए समयबद्ध रिपोर्ट तलब की है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने कहा कि यह घटना बेटियों के मान- सम्मान के लिए शर्मनाक और अपमानजनक है। नीट यूजी 2022 की परीक्षा रविवार, 17 जुलाई को देश-विदेश के 550 से अधिक शहरों में आयोजित की गई थी।

ईडी ने मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर को किया गिरफ्तार

मुंबई। फौन टैपिंग मामले में ईडी ने मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडेय को गिरफ्तार कर लिया है। उनपर आरोप हैं कि उन्होंने एनएसई के कर्मचारियों के अवैध रूप से फोन रेकॉर्ड किए थे। पांडेय 30 जून को रिटायर हुए हैं। उनपर आरोप है कि 2009 से 2017 के बीच उन्होंने गैरकानूनी तरीके से एनएसई के कर्मचारियों के फोन रेकॉर्ड किए। इसके लिए iSEC Services Pvt Ltd नाम की कंपनी ने उन्हें 4.45 करोड़ रुपये दिए। तीन लोगों से पूछताछ के आधार पर केंद्रीय एजेंसी ने दिल्ली कोर्ट में सोमवार को दावा किया था कि 1997 से ही एनएसई के कर्मचारियों की फोन टैपिंग हो रही थी।

उद्धव ठाकरे को लगा एक और बड़ा झटका

शिंदे समर्थक बने लोस में पार्टी नेता

नई दिल्ली | एजेंसी

महाराष्ट्र की राजनीति में उद्धव ठाकरे पिछड़ते जा रहे हैं। हाथ से सत्ता गंवाने के बाद अब पार्टी बचाना भी उनके लिए चुनौती साबित हो रहा है। इस बीच उनको एक और बड़ा सियासी झटका लग गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दावा कर दिया है कि लोकसभा स्पीकर ने राहुल शेवले को फ्लोर लीडर मान लिया है। आज ही शिंदे गुट के 12 सांसद लोकसभा स्पीकर से मिलने गए थे। लोकसभा स्पीकर से मुलाकात के दौरान 12 सांसदों ने एक ज्ञापन भी सौंपा था। उसमें साफ कहा गया था कि उनके गुट के पास पूरा बहुमत है, वे लोग ही बाला साहेब ठाकरे के असल अनुयायी हैं।

12 सांसदों को केंद्र ने दी वाई प्लस सुरक्षा

शिवसेना के 12 सांसदों को केंद्र सरकार की ओर से वाई प्लस सुरक्षा दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, शिवसेना के 19 में से 12 सांसद अलग गुट का दावा लोकसभा में पेश कर सकते हैं। ये सांसद मंगलवार को प्रधानमंत्री से भी मिल सकते हैं।

सुप्रीम कोट पर टिकीं नजरें

महाराष्ट्र संकट को लेकर अब सबकी नजर 20 जुलाई को होने वाली सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर है। चीफ जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस कृष्ण मुरारी और हेमा कोहली की बेंच उद्धव ठाकरे की अगुआई वाले खेमे और एकनाथ शिंदे खेमे की याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

तीर चाहे जितने ले लो, धनुष तो मेरे पास है: उद्धव ठाकरे

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी में जारी अंतर्कलह के पहली बार भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को एक मीटिंग के दौरान कहा कि शिवसेना में विभाजन की स्थिति बागियों के चलते नहीं बल्कि भाजपा की वजह से पैदा हुई है। यही नहीं उन्होंने कहा कि आप लोग चाहे जितने तीर लेकर भाग जाएं, यह याद रखना कि मेरे पास धनुष है। उद्धव ठाकरे के इस बयान को पार्टी के सिंबल के लिए जारी लड़ाई से जोड़कर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ठाकरे संकट से नहीं डरते।

विधानसभा ने जारी की अधिसूचना

मप्र विस का मानसून सत्र 13 से 17 सितंबर तक

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 13 सितंबर से होगा। पांच दिवसीय सत्र 17 सितंबर तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय ने मंगलवार को सत्र की अधिसूचना जारी की। पहले सत्र 25 जुलाई से सत्र आयोजित होना था।

मध्य प्रदेश नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में नेताओं की व्यस्तता के चलते विधानसभा का सत्र 25 जुलाई से आगे बढ़ाया गया है। इसको लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही राजनीतिक दलों ने सत्र आगे बढ़ाने की मांग की थी। दरअसल उनका कहना था कि पंचायत चुनाव की प्रक्रिया जारी रहेगी। जिसमें विधायक व्यस्त रहेंगे। प्रदेश में जिला और जनपद पंचायत के चुनाव जुलाई के अंत में होने है।

हरियाणा नूंह मे डीएसपी की हत्या

खनन माफिया के गुर्गों ने चढ़ाई गाड़ी, मौके पर मौत

मेवात (नूंह)। नूंह में खनन माफिया कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। पुलिस को ठेंगा दिखाने वाले खनन माफिया के हौसले कितने बुलंद हैं इसकी बानगी मंगलवार को देखने को मिली है। एक खनन माफिया के गुर्गों ने डीएसपी सुरेंद्र सिंह के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। इस घटना में डीएसपी सुरेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना गुरुग्राम से सटे नूंह जिले के तावडू थाना क्षेत्र के गांव पचगांव की है। गांव से सटी अरावली की पहाड़ी पर अवैध रूप से खनन किए जाने की सूचना डीएसपी को मिली थी।

हिसार के रहने वाले थे

इसी सूचना पर मंगलवार सुबह 11 बजे वह अपनी टीम के साथ पहुंचे। पुलिस टीम को देखकर पहाड़ी के पास खड़े डंपर, उनके चालक और खनन में लगे लोग भागने लगे। वाहन रोकने के लिए डीएसपी आगे आए तो डंपर चालक ने उनके ऊपर वाहन चढ़ा दिया। टायर के नीचे आने से डीएसपी की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद वह फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही एसपी नूंह वरुण सिंगला मौके पर पहुंचे हैं।

अग्निवीर से जुड़ी याचिकाएं हाईकोर्ट ट्रांसफर, सुप्रीम कोर्ट ने कहा

इतनी संख्या में याचिकाएं न तो जरूरी, न ये सही ढंग से भेजी गईं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अग्निपथ भर्ती स्कीम से जुड़ी सभी याचिकाएं दिल्ली हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इतनी ज्यादा संख्या में याचिकाएं न तो जरूरी हैं और न ही ये सही ढंग से भेजी गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नेशनल इश्यू का मतलब ये नहीं कि उसकी सुनवाई हाईकोर्ट में नहीं हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट्स या तो अपने यहां की याचिकाओं को दिल्ली हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दें। या फिर इन याचिकाओं को पेंडिंग रखें, वो भी इस शर्त के साथ कि याचिकाकर्ता इन्हें लेकर दिल्ली हाईकोर्ट जा सकते हैं।

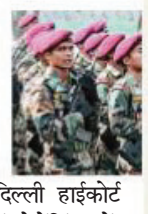

जाति और धर्म के प्रमाणपत्र मांगे जाने पर विपक्ष नाराज

अग्निपथ स्कीम को लेकर विपक्षी पार्टियों ने भाजपा पर निशाना साधा है। विपक्षी दलों का कहना है कि भाजपा अग्निवीर स्कीम की आड़ में 'जातिवीर' बनाने की कोशिश कर रही है। विपक्षी पार्टियों का कहना है कि अग्निवीर के तौर पर भर्ती के लिए उम्मीदवारों से जाति और धर्म के प्रमाणपत्र मांगे जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि अग्निवीर का इस्तेमाल करके जातिवीर बनाने की कोशिश हो रही है।

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों से हुआ बड़ा खुलासा

वर्ष 2021-22 में लगातार तीसरे साल घटी धान की सरकारी खरीद

नई दिल्ली। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 2021-22 के रबी सीजन में चावल की सरकारी खरीद करीब 44 लाख टन हुई। इसके मुकाबले 2020-21 के रबी में 66 लाख टन और 2019-20 में 80 लाख टन चावल की खरीद हुई थी। इसके चलते इस बात की संभावना कम है कि इस साल चावल की कुल खरीद 2020-21 के लेवल यानी 135 लाख टन तक पहुंच पाएगी।

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 15 जुलाई तक धान के रकबे में 17.4% गिरावट आई है। उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में अब तक धान के रकबे में बीते साल के मुकाबले 31% तक की कमी देखी गई है। चावल के अलावा दालों का रुझान भी पलट सकता है। इस माह से इसमें तेजी शुरू भी हो गई है। ऑल टाइम हाई से 52% गिरावट देखने वाले अरहर में 2022 के ऊंचे स्तर से अब तक 6.5% तेजी आ चुकी है। खरीफ में सबसे ज्यादा बोई जाने वाली दलहन अरहर का रकबा अब तक 26% कम रहा है।

प्रशासन ने सभी मुख्यालयों में की तैयारी

दूसरे चरण में 214 नगरीय निकायों में मतगणना आज

भोपाल। नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण के नतीजे घोषित हो चुके हैं। अब दूसरे चरण के नजीतों की बारी है, जो आज बुधवार को आएंगे। मतगणना 43 जिलों के 214 नगरीय निकाय में सुबह नौ बजे से होगी और उसके बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। दूसरे चरण की मतगणना पांच नगर निगम, 40 नगरपालिका परिषद और 169 नगर परिषद में होगी। मतगणना के लिए सभी मुख्यालयों में तैयारी कर ली गई हैं। इस बात की जानकारी राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने दी है।

दोनों पार्टियों के लिए अहम हैं नतीजे

उन्होंने बताया कि 5 नगर पालिक निगम, 40 नगर पालिका परिषद और 169 नगर परिषदों में मतगणना होगी। दूसरे चरण की मतगणना बीजेपी और कांग्रेस के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। यही नहीं, नतीजों से पहले ही दोनों पार्टियां अपनी-अपनी जीत के दावे भी कर रही हैं।

संसद का मानसून सत्र

मंहगाई के खिलाफ विपक्ष ने दूसरे दिन किया हंगामा

नई दिल्ली | एजेंसी

संसद में मानसून सत्र का मंगलवार को दूसरा दिन थ। सत्र के दूसरे दिन लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने महंगाई के खिलाफ नारेबाजी शुरू की। जिसके बाद सदन को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि नए नियम के अनुसार सदन के अंदर पोस्टर लाने की अनुमति नहीं है। इससे पहले कांग्रेस सहित कई विपक्षी पार्टियों ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास नारेबाजी की।

राज्यसभा में भी हंगामा

विपक्ष महंगाई, डेयरी और फूड प्रोडक्ट पर जीएसटी लगाए जाने और अग्निपथ स्कीम को वापस लेने को लेकर हंगामा कर सकता है। दूसरी तरफ राज्यसभा में भी हंगामा होने के बाद कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। कांग्रेस के कुछ नेताओं और द्रविड़ मुनेत्र कषगम के तिरूची शिवा तथा सीपीएम के एलामारम करीम ने महंगाई, पेट्रोलियम प्रोडक्ट के दामों में बढ़ोतरी और हाल ही में दूध और दही सहित कई फूड प्रोडक्ट पर जीएसटी लगाए जाने के मुद्दे पर चर्चा के लिए कार्यस्थगन प्रस्ताव के नोटिस दिए हैं।

जानकारी

केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में सामने आई जानकारी

पिछले वर्ष 1.6 लाख से अधिक ने छोड़ी भारतीय नागरिकता

नई दिल्ली | एजेंसी

पिछले तीन सालों में 3,92,643 लोगों ने भारतीय नागरिकता का त्याग किया है। वहीं, पिछले साल यानी 2021 में 1, 63,370 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ कर अन्य देशों की नागरिकता ले ली है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा में इसकी जानकारी दी। उनके द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के हिसाब से साल 2019 के बाद से ये संख्या सबसे ज्यादा है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बहुजन समाज पार्टी के नेता हाजी फजलुर रहमान के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया कि वर्ष 2019 से 2021 के दौरान नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की संख्या 3,92,643 थी। इसमें 2019 में 1,44,017 भारतीयों ने जबकि 2020 में 85,256 भारतीयों ने भारत की नागरिकता छोड़कर अन्य देशों की नागरिकता ले ली थी।

भारत छोड़ने वालों ने इन देशों की ली नागरिकता

उन्होंने बताया कि साल 2021 में भारत की नागरिकता छोड़ने वाले लोगों में से सबसे ज्यादा 78,284 भारतीयों ने संयुक्त राज्य अमेरिका की नागरिकता प्राप्त की। इसके बाद 23,533 भारतीयों ने ऑस्ट्रेलिया में नागरिकता ली। इसी तरह 21,597 लोगों ने कनाडा में और 14,637 भारतीयों ने यूके की नागरिकता ली है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 से 2021 के बीच 1,70,795 भारतीयों को अमेरिका ने नागरिकता दी। इसमें वर्ष 2019 में 61,683 भारतीयों, वर्ष 2020 में 30,828 भारतीयों तथा वर्ष 2021 में 78,284 भारतीयों को अमेरिका ने नागरिकता दी। इसमें बताया गया है कि अस्ट्रेलिया में पिछले तीन वर्षों में 58,391 भारतीयों, कनाडा में 64,071 भारतीयों, ब्रिटेन में 35,435 भारतीयों, जर्मनी में 6,690 भारतीयों, इटली में 12,131 भारतीयों, न्यूजीलैंड में 8,882 भारतीयों तथा पाकिस्तान में 48 भारतीयों को नागरिकता मिली।

बसपा नेता किया था सवाल

दरअसल, चल रहे मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में बहुजन समाज पार्टी के नेता हाजी फजलुर रहमान ने पूछा कि क्या गृह मंत्री 2019 से चालू वर्ष तक भारतीय नागरिकता त्यागने वाले व्यक्तियों का विवरण और संख्या बताएंगे। उनके इस प्रश्न का उत्तर देते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने भारत की नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की संख्या के संबंध में विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरणों का हवाला देते हुए जानकारी दी। इन व्यक्तियों द्वारा भारतीय नागरिकता छोडने के कारणों के बारे में बताते हुए राय ने कहा कि इन लोगों ने अपने व्यक्तिगत कारणों से भारतीय नागरिकता का त्याग किया है।

बोर्ड-निगमों के अध्यक्षों की सैलरी 40 हजार बढ़ी

राज्य मंत्री का दर्जा वाले 26 चेयरमैन का वेतन-भत्ता 1 लाख 17 हजार रुपए हुआ

जयपुर। राजस्थान के अलग-अलग बोर्ड, निगम और आयोगों में राजनीतिक नियुक्तियों के जरिए बने अध्यक्ष-उपाध्यक्षों के वेतन भत्तों में 40 हजार रुपए की बढ़ोतरी की गई है। कैबिनेट मंत्री और राज्य मंत्री के दर्जा वाले बोर्ड और निगम अध्यक्षों के वेतन भत्ते 52 फीसदी तक बढ़े हैं। मंत्रिमंडल सचिवालय ने मंगलवार को आदेश जारी कर दिए हैं। इससे पहले बीजेपी राज के दौरान 7 दिसंबर 2017 को बोर्ड निगमों के अध्यक्ष और उपाध्यक्षों के वेतन-भत्ते बढ़ाए गए थे। कैबिनेट मंत्री का दर्जा वाले अध्यक्षों का वेतन 45000 से बढ़ाकर 65000 रुपए प्रतिमाह और सत्कार भत्ता दर्जा 34000 से बढ़ाकर 55000 रुपए कर दिया है। जो पहले कुल 79 हजार रुपए थे, अब बढ़कर हर महीने 1 लाख 20 हजार रुपए हो गए हैं।

राज्य मंत्री का दर्जा वाले बोर्ड निगमों के अध्यक्षों का वेतन भी बढ़ा

राज्य मंत्री का दर्जा वाले बोर्ड निगमों के अध्यक्षों का वेतन 42000 से बढ़ाकर 62000 रुपए और सत्कार भत्ता 34000 से बढ़ाकर 55000 रुपए किया है। जो पहले कुल 76000 रुपए मिलते थे, अब 1 लाख 17 हजार रुपए मिलेंगे। प्रदेश में अभी 26 बोर्ड-निगमों के 26 अध्यक्षों को राज्य मंत्री का दर्जा मिला हुआ है, जबकि 3 को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला हुआ है। बीसूका (बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति) उपाध्यक्ष डॉ. चंद्रभान, खादी, ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष बृजकिशोर शर्मा और राजस्थान स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बोर्ड अध्यक्ष रामेश्वर डूडी को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया हुआ है।

इन 26 नेताओं को मिला हुआ है राज्य मंत्री का दर्जा

मेवात विकास बोर्ड अध्यक्ष जुबैर खान, बीज निगम अध्यक्ष धीरज गुर्जर, लघु उद्योग विकास निगम अध्यक्ष राजीव अरोड़ा, महिला आयोग अध्यक्ष रेहाना रियाज, विप्र कल्याण बोर्ड अध्यक्ष महेश शर्मा, वक्फ बोर्ड अध्यक्ष खानू खान बुधवाली, बंजर भूमि चारागाह विकास बोर्ड अध्यक्ष संदीप चौधरी, वंशावली संरक्षण संवर्धन अकादमी अध्यक्ष रामसिंह राव, घुमंतू कल्याण बोर्ड अध्यक्ष उर्मिला योगी, आ?र्थिक पिछड़ा वर्ग बोर्ड अध्यक्ष अनिल शर्मा, जन अभाव अभियोग निराकरण समिति अध्यक्ष पुखराज पाराशर, ओबीसी वित्त विकास निगम अध्यक्ष पवन गोदारा, केश कला बोर्ड अध्यक्ष महेंद्र गहलोत, पशुधन विकास बोर्ड अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सोलंकी, समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष अर्चना शर्मा, विशेष योग्यजन आयुक्त उमाशंकर शर्मा, आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़, वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष गोपाल सिंह शेखावत, भूदान यज्ञ बोर्ड अध्यक्ष लक्ष्मण कड़वासरा, एससी वित्त विकास बोर्ड अध्यक्ष शंकर यादव, जीव जंतु कल्याण बोर्ड अध्यक्ष केसी विश्नोई, राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह, धरोहर संरक्षण प्रोन्नति प्राधिकरण अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जाड़ावत, मगरा क्षेत्रीय विकास बोर्ड अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह रावत, स्वैच्छिक विकास केंद्र के अध्यक्ष मुमताज मसीह।

मोहम्मद ज़ुबैर की गिरफ़्तारी पर एमनेस्टी ने कहा, फ़र्ज़ी ख़बरों का पर्दाफ़ाश करना अपराध नहीं

नई दिल्ली।

मानवाधिकार समूह एमनेस्टी इंडिया ने फैक्ट-चेकिंग वेबसाइट ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को तत्काल और बिना शर्त रिहा करने की मांग करते हुए कहा कि फर्जी खबरों का पर्दाफाश करना करना कोई अपराध नहीं है.जुबैर के खिलाफ उत्तर प्रदेश के सीतापुर, लखीमपुर खीरी, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर और हाथरस (दो केस) जिलों में कथित तौर पर कट्टरपंथी हिंदुत्वादी धर्मगुरुओं यति नरसिंहानंद, बजरंग मुनि और आनंद स्वरूप को 'नफरत फैलाने वाला' कहने, न्यूज एंकर पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करने, हिंदू देवताओं का अपमान करने और भड़काऊ सामग्री सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में छह अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निर्देश दिया था कि उत्तर प्रदेश में दर्ज पांचों एफआईआर के संबंध में जुबैर के खिलाफ जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाया जाए.एमनेस्टी इंडिया ने कहा कि जुबैर को लगातार हिरासत में रखना इस बात की खतरनाक चेतावनी है कि 'आपको भारत में सच बोलने की अनुमति नहीं है.

एमनेस्टी इंडिया ने एक ट्वीट में कहा, 'फर्जी खबरों का पर्दाफाश करना करना अपराध नहीं है. मोहम्मद जुबैर को तुरंत और बिना शर्त रिहा किया जाना चाहिए. जुबैर को रिहा करो, असहमति की रक्षा करो.'सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा था कि वह मोहम्मद जुबैर की उस याचिका पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा, जिसमें कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में उनके खिलाफ दर्ज छह एफआईआर को रद्द करने का अनुरोध किया गया है.याचिका में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में दर्ज सभी एफआईआर, जिन्हें जांच के लिए एसआईटी को स्थानांतरित किया गया है, वे उस एफआईआर का विषय हैं, जिसकी जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा की जा रही है.यह भी कहा गया है कि अगर एफआईआर रद्द नहीं की जा सकती हैं, तो उन्हें दिल्ली में दर्ज एफआईआर के साथ जोड़ा जाना चाहिए, जहां जुबैर को पहली बार गिरफ्तार किया गया था.

बहरहाल सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को निर्देश दिया कि जुबैर के खिलाफ उनके ट्वीट को लेकर लखीमपुर खीरी, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद और हाथरस (दो मामले) जिलों में दर्ज पांच एफआईआर के संबंध में 20 जुलाई तक जल्दबाजी में कोई कार्रवाई न की जाए.जुबैर की नई अर्जी में इन मामलों की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन को भी चुनौती दी गई है.

मोहम्मद जुबैर ने एक ट्वीट में कट्टर हिंदुत्ववादी नेताओं यति नरसिंहानंद, महंत बजरंग मुनि और आनंद स्वरूप को 'घृणा फैलाने वाला' कहा था. इस संबंध में उत्तर प्रदेश के सीतापुर ज़िले के ख़ैराबाद थाने में बीते एक जून को उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया था.इन्हें कुछ वीडियो में नफरत भरे भाषण देने, मुसलमानों के खिलाफ हिंसा भड़काने या मुस्लिम महिलाओं के साथ बलात्कार करने की धमकी देते हुए देखा गया था.इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी है. मामले की अगली सुनवाई सात सितंबर को होगी. बीते 15 जुलाई को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के संबंध में इस शर्त पर जमानत दे दी थी कि वह उसकी अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ सकते.वर्तमान में जुबैर लखीमपुर खीरी मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, जो पिछले साल सितंबर में दर्ज किया गया था।

बजाज हेल्थकेयर रेगुलेटेड अफीम प्रोसेसिंग सेक्टर में प्रवेश करने वाली पहली निजी संस्था

नई दिल्ली। फार्मास्युटिकल कंपनी बजाज हेल्थकेयर लिमिटेड विनियमित अफीम प्रोसेसिंग सेक्टर के लिए सरकारी अनुबंध से सम्मानित होने वाली भारत की पहली निजी कंपनी बन गई है - यह एक ऐसा डेवलपमेंट है जिसका अर्थ है कि कंपनी अफीम का उपयोग सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) दपेन किलर्स, कफ सिरप और यहां तक कि कैंसर की दवाएं जैसी दवाओं को बनाने के लिए कर सकती है। बुधवार को एक बयान के माध्यम से घोषणा करते हुए, ठाणे स्थित बजाज हेल्थ केयर ने कहा कि उसे 12 जुलाई को केंद्र सरकार से दो पत्र प्राप्त हुए थे, जिसमें बिना लाइसेंस वाले अफीम कैप्सूल (इसके डंठल के साथ खुला पोस्ता) के साथ-साथ पुआल और अफीम के प्रोसेसिंग से एपीआई गम्स (दोनों का उपयोग एल्कलॉइड निकालने के लिए किया जाता है) का निर्माण किया गया था। बजाज हेल्थकेयर के संयुक्त प्रबंध निदेशक अनिल जैन ने बयान में कहा बजाज हेल्थकेयर ने कहा, 'हमें अफीम से अल्कालॉयड और एपीआई सरकार को देने के दो ठेके मिले हैं। ये ठेके लंबे समय के लिए हैं और इसी निविदा में हमें लगातार ठेके मिलने तथा अगले 5 साल में करीब 6,000 टन पोस्ता दाना तथा अफीम प्रसंस्करण की उम्मीद है।' जैन ने कहा, 'यह देश के इतिहास में पहली बार है, जब सरकार ने किसी निजी कंपनी को अफीम प्रोसेसिंग से मुक्त कर दिया है और हम इस सेगमेंट में पहली बार टेंडर पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं।' कंपनी ने बयान में कहा गया है, 'एपीआई का निर्माण रेगुलेटेड परिस्थितियों में और भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के सख्त पालन के तहत किया जाएगा।' इकाई वृद्धि क्षमताओं के साथ सभी अनिवार्य गुणवत्ता जांच और नियंत्रण को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है।' यद्यपि भारत उन कुछ देशों में से एक है जो अफीम की खेती की अनुमति देता है, इसकी प्रोसेसिंग अब तक अत्यधिक केंद्रीकृत रही है। भारत में, एनडीपीएस नियम, 1985 के नियम 8 के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा जारी लाइसेंस के अलावा, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 की धारा 8 के तहत अफीम पोस्त की खेती निषिद्ध है। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो किसानों से अफीम पोस्त खरीदता है और इसे गाजीपुर और नीमच में सरकारी अफीम और अल्कलॉइड वर्क्स कारखानों में आगे की प्रक्रिया के लिए चिकित्सा उपयोग के लिए अल्कलॉइड निकालने के लिए स्थानांतरित करता है।

मोटरसाइकिल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

मरूधर हिंद/अरांई/सवांददाता प्रकाश भागनानी

अरांई थाना पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ व अपराधों पर रोकथाम के लिए जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट के निर्देश पर एक मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया है।थानाधिकारी जय सुल्तान सिंह कविया ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा के निर्देशन व पुलिस उपाधिक्षक किशनगढ़ ग्रामीण लोकेन्द्र दादरवाल के

सुपरविजन में एक टीम गठित की गई तथा हैड कांस्टेबल इकरामुद्दीन के नेतृत्व में मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी टोंक जिले के इलाहीपुरा अर्जुन बैरवा को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी जय सुल्तान सिंह ने बताया कि 10 जून को खेड़ा टिकावडा निवासी श्रीराम प्रजापत ने अरांई पुलिस थाने में अरांई से पेशन प्रो मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है

मरू प्रदेश निर्माण मोर्चा की तरफ से ज्ञापन

मरूधर हिंद/जोधपुर/मांगीलाल विश्नोई

मरू प्रदेश निर्माण मोर्चा जोधपुर जिला की ओर से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट जेताराम कड़वासरा के नेतृत्व में व लोहावट तहसील अध्यक्ष मांगीलाल सूराणी के सानिध्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन उपखण्ड अधिकारी लोहावट राजस्थान के माध्यम से 13 जिलों को मिलाकर अलग से मरू प्रदेश बनाने की मांग की है साथ ही यह भी निवेदन किया है कि राजस्थान कई देशों से बड़ा प्रदेश ही नहीं विश्व के 110 देशों से बड़ा राज्य है और राजस्थान का कुछ भाग मरुस्थलीय है उसकी प्राकृतिक एवं भौगोलिक विषमता प्रदेश के अन्य भाग से अलग है अतः अलग भौगोलिक स्थिति को मध्य नजर रखते हुए। भारत का सीमावर्ती राज्य मरू प्रदेश को शीघ्र अति शीघ्र गठन की प्रक्रिया प्रारंभ करना चाहिए, मरू प्रदेश बनने पर 1070 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय संवेदनशील सीमा लगेगी,इस संबंध में राजस्थान राज्य के स्थापना के समय से 1946-47 से मरूप्रदेश अलग बनाने की मांग चलीं आ रही है उसके बाद देश प्रदेश की परिस्थितियों में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है जनसंख्या बढ़ी है खनिज पदार्थों का भी खनन एवं दोहन की प्रक्रिया में परिवर्तन हुआ है समस्त संसाधनों में वृद्धि हुई है इन बातों को ध्यान में रखते हुए राजस्थान में से मरू प्रदेश अलग राज्य घोषित करना न्यायोचित होगा, जिससे प्रदेश के वासियों को अलग से सुविधाएं मिलेगी मांग करने वालों में एडवोकेट ओमाराम धिराणी, माणक राम भादू, बाबूलाल जाट ,किसनाराम राव, मोती लाल पालीवाल , जस राज हुडडा ,सोनू गोदारा पल्ली, किसना राम सारण,लूणसिह महेचा हरिओम नगर,उगमा राम आदि थे ।

यातायात नियमों का पालन करें, खुद सुरक्षित हों दूसरों को भी करें

मत करो इतनी मस्ती जिंदगी नहीं हैं सस्ती

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

कुशलगढ़। कुशलगढ़ के थांदला मार्ग पर पुलिस कर्मी यातायात नियमों की जानकारी दे रहे है। सड़क पर चलते समय हमें सतर्क रहना चाहिए। नियमों का पालन नहीं करने वाला अपने ही नहीं दूसरों के जीवन को भी खतरा बन सकता है। मत करो इतनी मस्ती जिंदगी नहीं हैं सस्ती। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई अब पहले से सख्त हो गई है। बगैर लाइसेंस वाहन न चलाएं। लर्निंग लाइसेंस केवल वाहन सीखने के लिए होता है। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात की तो पांच हजार रुपये जुर्माना लगेगा। साथ ही तीन महीने के लिए वाहन लाइसेंस भी रद्द होगा। नशा करके वाहन चलाने पर 10 हजार रुपये जुर्माना होगा। हेलमेट नहीं पहनने पर एक हजार रुपये जुर्माना लगेगा। इसलिए यातायात नियमों की जानकारी होना बहुत जरूरी है। सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी होने से हादसे से बचा जा सकता है। अपनी सुरक्षा पर खुद ध्यान दें। यातायात नियमों की पालना करें। सड़क पर चलते समय संकेतों पर ध्यान दें। जीवन मूल्यवान है। इसकी सुरक्षा के लिए ही इन्हें बनाया गया है। इसके लिए सड़कों पर लगाए गए संकेतों पर ध्यान दें। इनकी पालना करें।

दहेज मुक्त शादी कर समाज को दिया संदेश

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। 17 जुलाई 2022 रविवार को पंकज कुमार और वर्षा गौतम निवासी सहजपुरा खेरली कठूमर अलवर में दहेज़ मुक्त शादी एक पहल कर सभी को संदेश दिया की दहेज़ प्रथा जैसी कुरूतियो से समाज और देश को दूरी बनानी चाहिए। पंकज कुमार और वर्षा गौतम दूल्हे दुल्हन ने कहा कि हमारे मरने के बाद भी हमारा शरीर किसी ना किसी के काम आना चाहिए जिससे मैं मरने के बाद भी ज़िंदा रहूं। प्रोफ़ेसर राजाराम ने और मास्टर मंगतीराम ने भंते के सानिध्य में बुद्ध रीति रिवाज़ से शादी कराई गई और समाज के सामने संविधान को साक्षी मानते हुए लिए जीवन जीने के वचन। और दूल्हा दुल्हन ने शादी कर समाज को नया संदेश दिया।

विप्र सेना के 2 वर्ष पूर्ण होने पर विद्याधर नगर विधान सभा में 51 बिलपत्र के पेड़ लगाए

मरूधर हिंद/खेमचंद गुप्ता

विप्र सेना के 2 वर्ष पूर्ण होने पर विद्याधर नगर विधान सभा अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा ने जानकारी दी विप्र सेना के द्वारा शिव हनुमान मंदिर लाल दास जी की बगीची झोटवाड़ा में श्री विष्णु दास जी महाराज के सानिध्य में 51 बेलपत्र के पेड़ का वृक्षारोपण का संकल्प लिया और शिव हनुमान मंदिर से बेलपत्र के पेड़ लगाकर संकल्प की शुरुआत की मुख्य अतिथि मुकेश जी पारीक प्रदेश प्रवक्ता बीजेपी, पार्षद बाबूलाल जी शर्मा, पार्षद अरविंद कूलवाल, पार्षद विजेंद्र पाल, पार्षद राम किशोर प्रजापत, राजेंद्र दाधीच, समाजसेवी अनन्त बढ़ारा, विष्णु शर्मा, हरीश शर्मा, मणि कांत शर्मा,

हिमांशु शर्मा, राजेश शर्मा, ज्ञान प्रकाश शर्मा, निर्भया शर्मा ओर कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत बूस्टर डोज महा अभियान को लेकर बैठक आयोजित हुई

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। उपखंड मुख्यालय पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत उपखंड अधिकारी रामकिशोर मीणा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि बैठक में खंड के 79 सरकारी कोविड-19 वैक्सीनेशन केंद्रों पर 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लाभार्थी जिनका कोविड-19 की द्वितीय डोज लिए छह महा पूर्ण हो चुके हैं। उनके लिए 15 जुलाई से 30 सितंबर 2022 तक निशुल्क कोविड-19 की बूस्टर डोज दिए जाने के संबंध में कोविड-19 वैक्सीनेशन महाअभियान खंड खेड़ली में दिनांक 20 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। डॉ रविराज खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी खेड़ली द्वारा बताया गया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने खंड में 79 सरकारी वैक्सीनेशन साइट का निर्माण एवं वैक्सीनेटर का चयन और वैक्सीन तथा लॉजिस्टक की आपूर्ति सभी कोविड-19 केंद्रों पर उपलब्ध करवाई जाएगी। इधर गजेंद्र सिंह खंड कार्यक्रम प्रबंधक खेडली ने बताया कि कोविड-19 अभियान की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उपरोक्त बैठक के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी कठूमर को ऑनलाइन वैक्सीनेशन हेतु कार्मिक उपलब्ध करवाने के लिए निर्देशित किया गया। खंड आशा फैसलिटेटर खंड खेड़ली सीएचसी पीएचसी प्रभारी आदि ने बैठक में भाग लिया।

भाजपा नेता शकील खान ने की पूर्व कैबिनेट मंत्री यूनुस खान से मुलाकात

मरुधर हिंद/आमिर खान कामां

कामां – भाजपा नेता शकील खान कामां ने भाजपा के कद्दावर नेता, पूर्व केबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार माननीय यूनुस खान जी से उनके निज निवास जयपुर में शिष्टाचार भेंट की। भाजपा नेता शकील खान कामां ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर माननीय मंत्री जी का अभिवादन किया, एवं कामां में अपार संख्या में हो रहे भ्रष्टाचार एवं विकास ना होने का गहरा चिंतन जताया, कामां में बदलाव की जरुरत है काफी लम्बे समय तक चर्चा चलने के बाद मंत्री जी ने उन्हें दुआ एवं आशीर्वाद दिया, प्रचंड बहुमत से जीत के साथ भारतीय जनता पार्टी का झंडा कामां में लहराना है राजस्थान में कमल खिलाना है। भाजपा नेता के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार यह मुलाकात राजनीतिक मुद्दों को मध्य नजर रखते हुए बेहद खास रही हैं और इस मुलाकात के परिणाम जल्दी जनता के सामने होंगे।

जन्मदिन पर पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मरूधर हिन्द

अलवर। दिनेश लेखी। राजकीय विधि महाविद्यालय अलवर में छात्र नेता रामराज मीना ने अपने जन्मदिन अवसर पर पोंधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में पीपल, बड़, नीम, शहतूत, अर्जुन आदि विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। ने इस दौरान विद्यार्थियों को आचार्य डां. मुकेश कुमार मीणा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पौधों का मानव जीवन में बहुत महत्व है। पौधों के बिना हमारा जीवन अधूरा है। पर्यावरण को स्वच्छ रखने में पेड़ पौधे अपना अहम योगदान निभाते है। स्वच्छ वातावरण में ही व्यक्ति स्वच्छ रह सकता है। इसलिए बीमारियों से बचाव के लिए भी अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल मात्र पौधारोपण करने से ही अपने कार्य की इतिश्री नही कर लेनी चाहिए। अपितु पौधा लगाने के बाद उसकी समय- समय पर देखभाल करनी भी जरूरी है, ताकि यह पौधा बड़ा होकर वृक्ष बन सके। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थियों को अपने घरों, पंचायती खाली पड़ी भूमि, सड़कों, नदियों के किनारे भी इस मौसम में पौधा रोपण करना चाहिए। इस अवसर पर आचार्य डॉ मुकेश कुमार मीणा, आचार्य राकेश कुमार शर्मा, आचार्य सुंदर सिंह यादव, आचार्य संजय रायपुरिया, रामराज मीणा, राहुल हितेश, निरंजन, रविन्द्र गुर्जर, सचिन गुर्जर, मनीष जोरिया,अजीत,अभिषेक,हितेश गुर्जर,भूपेंद्र शर्मा सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

माला गाँव में 15 बीघा जमीन से हटाया अतिक्रमण

अरांई/मरूधर हिंद/सवांददाता प्रकाश भागनानी

अरांई तहसील क्षेत्र की भोगादीत ग्राम पंचायत के माला गाँव में तहसील प्रशासन व के द्वारा लगभग 15 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाया गया। तहसीलदार हनुमान प्रसाद ने बताया कि गाँव माला के ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय व जिला कलेक्टर की जनसुनवाई में बताया था माला में कुछ लोगों द्वारा सिवायचक भूमि पर अतिक्रमण किया गया है जिस पर आज नायब तहसीलदार हिम्मत सिंह के नेतृत्व में राजस्व टीम ने जेसीबी मशीन की सहायता से लगभग 15 बीघा सिवायचक भूमि से अतिक्रमण हटवाया। इस दौरान गिरदावर भंवर सिंह, राजू मालाकार, पटवारी राजेन्द्र सहित बांदरसिंदरी पुलिस थाने का जाब्ता मौजूद था

विद्युत विभाग नींद में सोया, जनमानस ने जीवन खोया..... झझारपुर में कभी भी बड़ा हादसा धटने की संभावनाएं

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। उपखंड क्षेत्र के निकटवर्ती गांव झझारपुर ग्राम पंचायत में विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है । आपको बता दे कि गांव के विशाल जोहड़ के ऊपर से 11 के वी की विधुत लाइन बीचो-बीच गुजर रही है । जिससे आए दिन जीव -जंतु और जोहड़ में पानी पीते पशु -पक्षियों की करंट लगने से मौत हो जाती है । उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी तीन लोगों को करंट लग चुका वे बेचारे बे मौत मर गए । उस दौरान विधुत विभाग के अधिकारीयो ने लाइन को अन्यत्र देने का आश्वासन दिया था । मगर वर्तमान में जीता जागता परिणाम है है कि लगातार होते हादसों के कारण ग्रामीणों में विभाग के प्रति रोष व्याप्त है । पूर्व में भी समय-समय पर ग्राम- वासियों द्वारा एवं ग्राम पंचायत द्वारा विभागीय ए ई एन एवं जे ई एन विधुतसोडावास को अवगत करवाया गया ।
मगर कहावत,,,,,,, ,,ढाक के तीन पात,, वाली कहावत चरितार्थ बनती दिखाई देती है । सामाजिक कार्यकर्ता कुलदीप शर्मा ने बताया कि

प्रशासन गांव के संग अभियान में 6 दिसंबर 21 को झझारपुर के शिविर में विभाग को लिखित सूचना देकर अवगत कराया गया था और घटनास्थल का अवलोकन भी करवाया गया था । लेकिन विभाग की ओर से किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं हुई । मंगलवार को बिजली के तार आपस में भिड़ने से पेड़ में आग लग गई और कई पक्षी मारे गए । घटना के बाद ग्राम पंचायत कार्यालय पर सरपंच ग्राम पंचायत झझारपुर बाला सुभाष मेघवाल एवं उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी अलवर गोपीचंद शर्मा के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन कर रोष व्याप्त किया । मौके पर कोई अधिकारी उपस्थित नहीं हुआ ओर ना ही फोन करने पर ए ई एन सोडावास द्वारा संतुष्टिपूर्ण जवाब नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने ए ई एन ऑफिस के घेराव की चेतावनी दी है । इस अवसर पर विष्णु प्रजापत, सुबे सिंह मेघवाल, श्योचंद, रामनिवास यादव, विजेंद्र कुमार, कैलाश सिंह, सुरेंद्र सिंह, अनुराग शर्मा, महेश पटवारी, बब्बू सैन, तनुज, बिल्लू शर्मा, ओमप्रकाश प्रजापत, फतेसिंह रोहिल्ला, भीमसिंह चौहान, हरीश चौधरी,संजय शर्मा, बनेसिंह चौहान, गिरधारी प्रजापत आदि ग्रामीण उपस्थित रहे ।

झंझारपुर गांव में गूंजा सोमवार रात्रि बम बम भोले के जयकारे

शिवजी पार्वती का ब्याह का हुआ आयोजन, झाकियों ने मन मोया

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। उपखण्ड छेत्र के गांव झझारपुर में सोमवार रात्रि को भगवान भोलेनाथ की आराधना को लेकर शिवजी पार्वती का ब्याह का आयोजन ग्रमीणो के जन सहयोग से हुआ । गांव के युवा बताते है की सावन मास गुरुवार से शुरू हुआ था । ग्रमीणों ने हर वर्ष की तरह भोलेनाथ का जागरण व शिवजी पार्वती का ब्याह व ग्रमीणो की मन मोहने वाली झाकियों से झझारपुर गांव सम्पूर्ण रात्रि भोलेनाथ के जयकारों से गूँजमान रह । बुजुर्ग ग्रमीणो का मानना है लगातार दो साल तक कोरोना की बंदिशों के

बाद इस बार सावन को लेकर खासा उत्साह देखा गया । इस बार सावन में चार सोमवार आ रहे हैं । आस्था का यह पवित्र 12 अगस्त को रक्षाबंधन पर पूर्ण होगा । इस दौरान क्षेत्र के गांव व ढाणियों में कावड़ यात्रियों की धूम भी रहेगी । झझारपुर बस स्टैंड के समीप राजेश सिंह चौहान ने बाबा भोलेनाथ के कावड़ियों के लिए रहन सहन,खान,पान की सभी व्यवस्था की है,जो 15 वर्षों से लगातार शिविर का संचालन होता है । कार्यक्रम में अलवर से बाबा की झांकियां के लिए कलाकारो ने श्रद्धालुओं को बाबा भोलेनाथ की झांकिया दिखा कर ग्रमीणो का मन मोह लिया । यह कार्यक्रम ग्रमीणो के जन सहयोग से कुहु वाटिका गांव में आयोजित हुआ । जागरण कार्यक्रम में आसपास व दूरदराज से बाबा के जागरण में भाग लेकर बाबा का मंदिर में पूजा अर्चना कर अपने परिवार की खुशहाली की कामना की ।

दिव्यांग बच्चों के साथ केक काटकर मनाया जन्मदिन

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़। कस्बे में संचालित शरबती देवी दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र पर प्रियांश अपने पिता महावीर शर्मा व बहन शीनू शर्मा के साथ रविवार को दिव्यांग बच्चों के बीच अपना जन्मदिन मनाने पहुंचे। जहां प्रयांश ने अपने जन्मदिन की खुशियों को दिव्यांग बच्चों के साथ साझा किया। इस दौरान प्रियांश में दिव्यांग बच्चों के साथ केक काटकर अपने हाथों से सभी दिव्यांग बच्चों का मुंह मीठा करवाया। साथ ही अपने हाथों से दिव्यांग बच्चों को भोजन भी करवाया। प्रियांश हाल ही में रसिया से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करके आए हैं। प्रियांश ने बताया बहन शीनू अक्सर दिव्यांग बच्चों के बीच जाती रहती हैं और हमें भी यहां आकर जन्मदिन मनाने की प्रेरणा दी। जिससे हम भी दिव्यांग बच्चों के बीच आए और इनके साथ अपने जन्मदिन की खुशियां मना कर हमें आंतरिक खुशी का अनुभव हुआ। बहन के द्वारा दिव्यांगों की मदद की भावना को देखकर मन खुशी से भर गया। प्रियांश के जन्मदिवस की खुशी में संस्था के दृष्टिबाधित बालक छोटूराम ने ढोलक की ताल पर अपनी मधुर आवाज में गीत भी गाए। जिसे सुनकर प्रयांश के पिता महावीर प्रसाद शर्मा भावुक हो गए और अपनी नम आंखों से दृष्टि बाधित बालक को आशीर्वाद दिया। और कहा कि यह साक्षात ईश्वर का रूप हैं। सभी को इनके कल्याण व सहयोग हेतु आगे आना चाहिए। तथा सदैव संस्था से जुड़े रहकर दिव्यांगों की मदद हेतु तत्पर रहने का संकल्प लिया। इस मौके पर सुशीला शर्मा पत्नी सुनील शर्मा धागे वाले,मीनाक्षी सोनी पत्नी अनिल सोनी,अल्का शर्मा पत्नी,शिवांक शर्मा,लियांश आदि मौजूद रहे।

विद्या सबंल अतिथि सहायक आचार्यों की पुनः नियुक्ति के लिए सौंपा ज्ञापन

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

कुशलगढ़। श्रीमान प्राचार्य महोदयजी को मामा बालेश्वर दयाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशलगढ़ में छात्रों ने ज्ञापन दिया। छात्रों ने कहा की हमारे महाविद्यालय में सत्र 2022-2023, 01 जुलाई से प्रारम्भ हो गये है अतः छात्रों का अध्ययन कार्य प्रभावित नहीं हो इसलिए सत्र 2021-2022 कार्यरत अतिथि सहायक आचार्यों को सत्र 2022-2023 में शिक्षण हेतु शीघ्राताशीघ्र बुलाने का कष्ट करें जिससे महाविद्यालय के छात्रों का अध्ययन सुचारू रूप से शुरू हो सकें एवं माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना हो सकें एवं अतिथि सहायक आचार्यों द्वारा सत्र 2022-2023 हेतु नियमित रूप से शिक्षण कार्य किया जा सके। धन्यवाद। ज्ञापन देने वालों में महाविद्यालय के नियमित छात्र पप्पू लाल डामोर, पिंटुलाल मईडा,सुशिल मईडा,संदीप देवदा छतीस,बदिया डिंडोर कमलेश प्रवीण मईडा आदि समस्त छात्रों के हस्ताक्षर है।

तिजारा यस सिंगल का हुआ सीए मे चयन

मरुधर हिंद राकेश सैनी

तिजारा के यस सिंगल पुत्र सुनील कुमार सिंघल का सीए में चयन हुआ है । जिससे तिजारा कस्बे में खुशी की लहर छा गई है कामयाबी को लेकर माता पिता व परिवार वालों का कोई ठिकाना नहीं रहा यस सिंघल ने बताया कि मेरी इस कामयाबी का श्रेय मेरे माता-पिता वह गुरुजनों का है। तिजारा के लिए गौरवमई बात है।

भारत विकास परिषद राठ शाखा बहरोड़ का कांवड़ सेवा शिविर हुआ प्रारंभ

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़। राठ शाखा बहरोड़ द्वारा अशोक अग्रवाल की आशा एवं कॉटन मिल के समक्ष कांवड़ सेवा शिविर का प्रान्तीय प्रकल्प प्रभारी प्रकाश जांगिड़ व दीवानजी धाकरे के मंत्रोच्चार के साथ अंकुर अग्रवाल व जगदीप खण्डेलवाल ने अध्यक्ष सुभाष मीना के साथ मिलकर दीप प्रज्वलन किया।दीप प्रज्वलन के पश्चात आरती हुई तथा प्रसाद वितरण किया गया। सारा वातावरण भगवान शिव पार्वती व गंगा के जयघोष से गूंज उठा। उसी समय शिविर स्थल तीन कांवड़ियों का दल उपस्थित हुआ।सभी ने उनकी आवभगत की एवं ऐसा लगा मानो भगवान शिव स्वयं प्रसाद ग्रहण करने व आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित हुए हो। इसके उपरांत प्रांतीय प्रभारी सतीश गुप्ता ने सभी आगन्तुकों के प्रति सम्मान व आभार व्यक्त किया।सचिव सत्यवीर यादव व कोषाध्यक्ष रोहिताश्व गुप्ता व्यवस्थाओं में जुटे रहे। शिविर उद्घाटन के अवसर पर बहरोड़ के गणमान्य ललित शर्मा, महेन्द्र शर्मा, हर्षित जैन, पण्डित रामचंद्र के साथ परिषद् के सम्मानित सदस्यों में मुकेश मोदी, देवेन्द्र यादव, गोपाल शर्मा, भुपेंद्र यादव, महेंद्र यादव, वीरेंद्र यादव, मनोहर लाल जी यादव, डॉक्टर रामनिवास , किशन सिंह राघव, कर्ण सिंह शेखावत, कर्ण सिंह यादव, हुकुम यादव, अनिल यादव, प्रदीप यादव, नागरमल सैन उपस्थित रहे।आज उद्घाटन के अवसर पर परिषद् के सदस्यों व गणमान्य आगन्तुकों ने जी खोलकर सहयोग राशि प्रदान की।दानदाताओं की सूची अलग से पोस्ट की जाएगी।

बोल अनमोल

जब प्रलय आता है तब समुद्र भी अपनी मर्यादा त्याग कर किनारों का साथ छोड़ देता है। लेकिन सज्जन मनुष्य प्रलय एवं विपत्ति में भी अपनी मर्यादा नहीं त्यागते हैं। - *आचार्य चाणक्य*

बढ़ता कृषि निर्यात

वर्तमान वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में देश के कृषि एवं खाद्य पदार्थों के निर्यात में 14 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.25 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात हुआ था। इस वर्ष वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में यह आंकड़ा 5.98 अरब डॉलर पहुंच गया। वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचलों तथा भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण खाद्य सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं को देखते हुए यह बढ़ोतरी निश्चित ही संतोषजनक है। उल्लेखनीय है कि कुछ माह पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आश्वस्त किया था कि भारत खाद्य आपूर्ति में यथासंभव सहयोग करेगा। हालांकि कम उत्पादन और मानसून संबंधी आशंकाओं के कारण गेहूं के निर्यात पर अस्थायी तौर पर पाबंदी है, फिर भी 13 मई के इस निर्णय के बाद भी भारत ने 18 लाख टन गेहूं कुछ देशों को भेजा है, जो खाद्य पदार्थों की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। कृषि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि इस संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है कि जून में निर्मित वस्तुओं के निर्यात में भी 16.78 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। आयात में अपेक्षाकृत अधिक बढ़त से भले ही व्यापार घाटा बढ़ा है, पर निर्यात बढ़ने से यह स्पष्ट रूप से इंगित होता है कि भारतीय उत्पादों में अन्य देशों के लोगों और कारोबारियों का भरोसा बढ़ता जा रहा है। बीते वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 418 अरब डॉलर मूल्य का रिकॉर्ड निर्यात किया था। हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आशा जतायी है कि इस वर्ष भी निर्यात उच्च स्तर पर रहेगा। सरकार की ओर से अभी कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है, पर जानकारों का अनुमान है कि पिछले साल से निर्यात अधिक ही रहेगा। इसमें कृषि उत्पादों की बड़ी हिस्सेदारी होगी। कुछ समय पहले किसानों को अधिक उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने तथा उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाया गया है। केंद्र सरकार कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों और जिला प्रशासन के माध्यम से किसानों और मंडियों से संपर्क में है तथा उन्हें संबंधित पहलुओं के बारे में निरंतर जानकारी दी जा रही है। अनाज के अधिक निर्यात के साथ यह भी उत्साहजनक है कि फलों और सब्जियों के निर्यात में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। देशभर में उपज के समुचित भंडारण की व्यवस्था की जा रही है। इससे फलों व सब्जियों को सड़ने-गलने से बचाया जा रहा है। कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ निर्यात बढ़ेगा भी और उसमें विविधता भी आयेगी। सरकार ने गुणवत्ता निर्धारण के लिए 220 प्रयोगशालाओं को भी मान्यता दी है। आपूर्ति शृंखला की बाधाओं के दूर होने के साथ निर्यात में आसानी की उम्मीद है।

पता नहीं क्यों विपक्ष कमजोर बने रहना चाहता है!

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र के सम्मुख एक ज्वलंत प्रश्न उभर के सामने आया है कि क्या भारतीय राजनीति विपक्ष विहीन हो गई है? आज विपक्ष इतना कमजोर नजर आ रहा है कि सशक्त या ठोस राजनीतिक विकल्प की संभावनाएं प्रायः समाप्त लग रही हैं। इतना ही नहीं, विपक्ष राजनीति ही नहीं, नीति विहीन भी हो गया है? यही कारण है कि आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर तक पहुंचते हुए राजनीतिक सफर में विपक्ष की इतनी निस्तेज, बदतर एवं विलोपपूर्ण स्थिति कभी नहीं रही। इस तरह का माहौल लोकतंत्र के लिये एक चुनौती एवं विडम्बना है। भले ही पूर्व दशकों में कांग्रेस भारी बहुमत में आया करती थी परन्तु छोटी-छोटी संख्या में आने वाले राजनीतिक दल लगातार सरकार को अपने तर्कों एवं जागरूकता से दबाव में रखते थे। अपनी जीवंत एवं प्रभावी भूमिका से सत्ता पर दबाव बनाते थे, यही लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण था। लेकिन अब ऐसी स्थिति समाप्त होती जा रही है बल्कि इस कदर बदतर हो चुकी है कि चुनावों से पहले ही स्पष्टता एवं दृढ़ता के साथ भविष्यवाणी की जा सकती है कि सत्ता में फिर से भाजपा ही आयेगी। यह स्थिति अचानक तो नहीं आयी है? इसकी असली वजह क्या हो सकती है? आखिर विपक्ष इतना कमजोर एवं नकारा कैसे हो गया?

विपक्ष की इस कमजोर स्थिति का दोष विपक्षी दल सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी पर लगाते आ रहे हैं मगर इसके लिए स्वयं उनसे बढ़ कर कोई और दोषी नहीं है। बड़ा कारण सभी विपक्षी दलों का पारिवारिक पार्टियों में तब्दील हो जाना भी है। 140 करोड़ की आबादी वाले देश में विपक्ष के पास 'मोदी' विरोध के अलावा कोई प्रखर मुद्दा नहीं है, इससे बढ़कर नकारापन क्या होगा? इसकी वजह यही नजर आती है कि समूचे विपक्ष के पास आज प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के कद के आसपास का भी कोई नेता नहीं है। लोकतन्त्र में हालांकि यह कहा जाता है कि व्यक्तियों से बढ़ कर संस्था या राजनीतिक दल का महत्व होता है परन्तु लोकतन्त्र के इस पवित्र व मूल सिद्धान्त को आजादी के बाद लगभग 60 साल तक राज करने वाली पार्टी कांग्रेस ने ही जड़ से समाप्त करने का प्रयास किया और स्वतन्त्रता आन्दोलन की विरासत के नाम पर एक ही परिवार के नाम सत्ता की चाबी रखने का ठेका छोड़ दिया। जब विपक्षी नेताओं ने ठान लिया है कि वे मोदी के शब्दों, योजनाओं एवं नीतियों की बाल की खाल निकालेंगे तो सिर्फ उनकी बुद्धि पर तरस खाया जा सकता है। संसद में असंसदीय शब्दावली की जो पुस्तिका प्रकाशित की गई है उस पर सर्वदलीय बैठक बुला कर विचार करने की भी सख्त जरूरत है क्योंकि भाषा का सम्बन्ध लोकतन्त्र में जन अपेक्षाओं से ही होता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों से अपेक्षा की है कि वे मर्यादा के भीतर अपनी बात रखें। उन्होंने कहा है कि संसद की कार्रवाई में किसी शब्द पर प्रतिबंध नहीं है। यही कारण है कि जुमलाजीवी, बाल बुद्धि सांसद, शकुनी, जयचन्द, लॉलीपॉप, चाण्डाल चौकड़ी, गुल खिलाए, तानाशाह, भ्रष्ट, ड्रामा, अक्षम, पिठ्ठू जैसे शब्द लोकसभा में गूंजते रहे हैं।

आज देश में विपक्ष के पास खासकर कांग्रेस या किसी भी दल के पास कोई प्रभावी नेतृत्व नहीं है, जो देश की ज्वलंत समस्याओं के समाधान के लिये अपनी स्वतंत्र सोच को उभार सकें। भाजपा और संघ परिवार पर वार करने लिए कोई धारधार हथियार भी इनके पास नहीं है। सब ये जानते हैं कि भाजपा को अब हरा पाना इनके बूते की बात है। इस तरह की संभावनाओं को तलाशने के लिये सशक्त विपक्ष का होना जरूरी है। आज विपक्ष अस्तित्वविहीन होता जा रहा है। सशक्त विपक्ष के साथ प्रभावी, सक्षम, समर्थ एवं सर्वस्वीकार्य विपक्षी नेता भी लोकतंत्र की मूल आवश्यकता है। जैसा कि आजादी के बाद ताकतवर कांग्रेस पार्टी के शासन में विपक्ष बहुत तेजस्वी एवं प्रभावी रहा है।

वही विपक्ष अपनी साफ, पारदर्शी, नैतिक एवं राष्ट्रवादी राजनीतिक मूल्यों के बल पर आज स्पष्ट बहुमत से शासन कर रहा है। आजादी दिलाने वाली पार्टी कांग्रेस को चुनौती देना जटिल था परन्तु उस दौर में कांग्रेस के खिलाफ खड़े हुए अधिसंख्य राजनीतिक दलों की कमान भी आजादी के नायकों के पास ही थी अतः संसद में कम संख्या में रहने के बावजूद एक से बढ़ कर एक नेता विपक्षी दलों के पास थे। इनमें से कुछ नाम प्रमुख हैं- आचार्य कृपलानी, डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेन्द्र देव, चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, प्रोफेसर एम.जी. कामथ, नाथ पै तथा जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और वीर सावरकर। उस दौर में विपक्ष ने अपनी सार्थक भूमिका से लोकतंत्र को मजबूती दी। लेकिन आज विपक्ष अपनी सार्थक भूमिका निर्वाह करने में असफल हो रहे हैं। क्योंकि दलों के दलदल वाले देश में दर्जनभर से भी ज्यादा विपक्षी दलों के पास कोई ठोस एवं बुनियादी मुद्दा नहीं रहा है, देश को बनाने का संकल्प नहीं है, उनके बीच आपस में ही स्वीकार्य नेतृत्व का अभाव है जो विपक्षी नेतृत्व की विडम्बना एवं विसंगतियों को ही उजागर करता है। ऐसा लग रहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में अब नेतृत्व की नैतिकता एवं नीतियों को प्रमुख मुद्दा न बनाने के कारण विपक्ष नकारा साबित हो रहा है, अपनी पात्रता को खो रहा है, यही कारण है कि न विपक्ष मोदी को मात दे पा रहे हैं और न ही सार्थक विपक्ष का अहसास करा पा रहे हैं। भाजपा एवं मोदी का कोई ठोस विकल्प पेश करने को लेकर विपक्ष गंभीर नहीं है, वे अवसरवादी राजनीति की आधारशिला रखने के साथ ही जनादेश की मनमानी व्याख्या करने, मतदाता को गुमराह करने की तैयारी में ही लगे हैं। इन्हीं स्थितियों से विपक्ष की भूमिका पर सन्देह एवं शंकाओं के बादल मंडराने लगे।

क्या देश के अंदर विपक्ष को खत्म करने की साजिश हो रही है? क्या इसके लिए सत्ता की ताकत का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है? भाजपा पर लग रहे ये आरोप निराधार एवं भ्रामक हैं। यह कहना बिल्कुल भी उचित नहीं है कि भारत की राजनीति विपक्ष विहीन हो चुकी है, मनोबल अवश्य टूटा है, अतीत के दाग पीछा कर रहे हैं लेकिन विपक्ष विहीन भारतीय राजनीति की स्थिति जब भी बनेगी, संभवतः लोकतंत्र भी समाप्त हो जायेगा। विपक्ष की कमजोर एवं नकारा स्थिति के लिये भाजपा या मोदी को जिम्मेदार ठहराना भी उचित नहीं है। विपक्ष अपनी इस दुर्दशा के लिये खुद जिम्मेदार है। विपक्ष वैचारिक, राजनीतिक और नीतिगत आधार पर सत्तारुढ़ दल का विकल्प प्रस्तुत करने में नाकाम रहा है। उसने सत्तारुढ़ भाजपा की आलोचना की, पर कोई प्रभावी विकल्प नहीं दिया। किसी और को दोष देने के बजाय उसे अपने अंदर झांककर देखना चाहिए। मुद्दा विहीनता उसके लिए इतनी अहम रही है कि कई बार राष्ट्रीय मुद्दों पर उसने जुबान भी नहीं खोली।

लोकतंत्र तभी आदर्श स्थिति में होता है जब मजबूत विपक्ष होता है। क्यों नहीं विपक्ष सीबीआई, आरबीआई जैसे मुद्दों को उठाता, आम आदमी महंगाई, व्यापार की संकटग्रस्त स्थितियां, बेरोजगारी आदि समस्याओं से परेशान हो चुका है, वह नये विकल्प को खोजने की मानसिकता बना चुका है, जो विपक्षी नेतृत्व के उद्देश्य को नया आयाम दे सकता है, क्यों नहीं विपक्ष इन स्थितियों का लाभ लेने को तत्पर होता। बात केवल विपक्ष की ही न हो, बात केवल मोदी को परास्त करने की भी न हो, बल्कि देश की भी हो तभी विपक्ष अपनी इस दुर्दशा से उपरत हो सकेगा। वह कुछ नयी संभावनाओं के द्वार खोले, देश-समाज की तमाम समस्याओं के समाधान का रास्ता दिखाए, सुरसा की तरह मुंह फैलाती महंगाई, गरीबी, अशिक्षा, अस्वास्थ्य, बेरोजगारी और अपराधों पर अंकुश लगाने का रोडमेप प्रस्तुत करे, सरकार की नयी आर्थिक नीतियों से आम आदमी एवं कारोबारियों को हो रही परेशानियों को उठाए तो उसकी स्वीकार्यता स्वयंमेय बढ़ जायेगी। व्यापार, अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, महंगाई, ग्रामीण जीवन एवं किसानों की खराब स्थिति की विपक्ष को यदि चिंता है तो इसे दिखना चाहिए। पर विपक्ष केंद्र या राज्य, दोनों ही स्तरों पर सरकार के लिये चुनौती बनने की बजाय केवल खुद को बचाने में लगा हुआ नजर रहा है। वह अपनी अस्मिता की लड़ाई तो लड़ रहा है पर सत्तारुढ़ दल को अपदस्थ करने की दृढ़ इच्छा उसने नहीं दिखाई। कांग्रेस ने भारतीय लोकतन्त्र में धन की महत्ता को 'जन महत्ता' से ऊपर प्रतिष्ठापित किये जाने के गंभीर प्रयास किये, जिसके परिणाम उसे भुगतने पड़ रहे हैं। क्या इन विषम एवं अंधकारमय स्थितियों में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दल कोई रोशनी बन सकते हैं, अपनी सार्थक भूमिका के निर्वाह के लिये तत्पर हो सकते हैं? विपक्ष ने मजबूती से अपनी सार्थक एवं प्रभावी भूमिका का निर्वाह नहीं किया तो उसके सामने आगे अंधेरा ही अंधेरा है।

अस्वीकरणः यह लेखक के निजी विचार हैं।

हारे को हरिनाम नहीं सम्मान

अशोक व्यास

अब यह क्या बात हुई। चुनाव हारे सो हारे लेकिन टैग लाइन की तरह यह वाक्य हमारे शरीर से चिपक गया क्योंकि आत्मा का तो पता नहीं होगी किसी शरीर के कोने कुचेले में, कि "यह देखो चुनाव हारने वाले जा रहे हैं , हारना क्या इनकी तो जमानत भी जब्त हो गई है"। जब चुनाव में लाखों करोड़ों खर्च कर रहे थे तब मधुर कल्पना थी कि इसका सौ गुना नहीं कमा लूंगा तब तक चैन नहीं लूंगा। वह तो हुआ नहीं और जमानत अलग जब्त हो गई। जमानत जैसी टुइयां सी राशि के लिए मीडिया में इतना हल्ला मचाया जा रहा है कि जिसे पढ़ सुनकर जो देखो वहीं मुंह उठाए चला आ रहा है और कह रहा है "भाई साहब सुना है आप की जमानत जप्त हो गई है"। हमने भी शान से जवाब दिया, "जब चुनाव में लाखों रुपए खर्च करने का हिसाब नहीं रखा तो इस हाथ के मेल की रकम को क्या याद रखना। वह तो हमारी जमानत नहीं अमानत थी जो चुनाव आयोग को हमने बस कुछ समय के लिए रखने के लिए दी थी, चुनाव हारते ही अब चुनाव आयोग की नियत ही खराब हो गई तो हम क्या करें"। लेकिन वो जानते नहीं जैसे शराबियों के लड़खड़ाने से देश की अर्थव्यवस्था स्थिर रहती है उसी प्रकार हम जैसे चुनावी वीरों के चुनावी युद्ध में हारने से हमारी जमानत जब्त राशि से चुनाव आयोग की कमाई हो जाती है और उसका खर्चा पानी चलता रहता है। परंतु लोगों का क्या है, लोगों का काम है कहना। यह नहीं जानते कि जितने अधिक लोग चुनाव लड़ेंगे उतना ही देश की अधिकतर समस्याएं चुनाव परिणाम आने तक स्थिर हो जाती है। अलादीन के चिराग के जिन्न की तरह ईवीएम मशीन का बटन दबाते हैं। वह अंगड़ाई लेने लगेगी और परिणाम आने पर डिजिटल होकर टीवी की ब्रेकिंग न्यूज और समाचार पत्रों की हेड लाइन बन कर देश की जनता के सामने सर उठा कर खड़ी हो जाएगी। वह यह नहीं पूछेगी कि क्या हुकम है मेरे मतदाता बल्कि जीतने वालों से कहेगी कि "चुनाव परिणाम तो आ गए अब समस्याएं कब हल करोगे मेरे मालिक"।

कहते हैं हारे को हरिनाम लेकिन चुनाव हारने वाले और उनमें भी जमानत जब्तजीवी बदनाम हो जाते हैं। इसलिए जिनकी जमानत जब्त नहीं होती लेकिन हार जाते हैं वह क्रिकेट की तरह हार तो होती है लेकिन उसे वह सम्मानजनक हार का नाम देते हैं। अब भैया हार तो हार होती है चाहे एक रन से हो या एक वोट से क्रिकेट के खिलाड़ी के लिए अगले मैच तक और चुनावी खिलाड़ी के लिए अगले पांच साल तक टीस की तरह चुभती है। हारने वाला जीते हुए उम्मीदवार के उद्घाटन शिलान्यास करते हुए फोटो देखता होगा तब मतदाताओं को मन ही मन लतियाता होगा कि सालों थोड़े से वोट और डाल देते मेरी झोली में तो आज यह दिन नहीं देखने पड़ते। इस मामले में जमानत जब्त वालों को कोई कॉम्प्लेक्स नहीं होता कोई पूछता भी है तो बड़ी शान से कह सकता है यह तो मेरी लोकप्रियता का लिटमस टेस्ट था। वाकई में इन मतदाताओं को अच्छे बुरे की बिल्कुल तमीज नहीं है जो कैसे-कैसे लोगों को कहां कहां तक पहुंचा देते हैं।

हालांकि हमने चुनाव जीतने के लिए वोटरों को अपने बच्चों की कसम खाकर विश्वास दिलाया था कि हम क्षेत्र की जनता की कायापलट कर देंगे आप एक बार हमें इस्तेमाल करके तो देखो फिर विश्वास करना। तो उन्होंने जवाब दिया "तुम पर क्यों विश्वास करें जिनका इस्तेमाल किया उन्होंने क्या उखाड़ लिया या क्या जमा दिया?" ऊपर से सबने अपनी काया और परिवार की माया में वृद्धि जरूर की थी आप भी यही करोगे बोलो , अब हम क्या बोलते उनके सामने।

हमारे अनुभव सुनोगे तो आपको भी चुनाव हारने का नशा चढ़ जायेगा और जमानत जब्त कराने के लिये एक पैर पर खड़े हो जाओगे। चुनाव प्रचार के समय की बात है हमारे कार्यकर्ता ने एक वोटर के दरवाजे की बेल बजाई तो बहुत देर तक तो कोई बाहर ही नहीं आया हमने पूछा कि क्या हुआ बहुत देर हो गई तो कहने लगा "बेल तो जा रही है पर गाय अभी तक नहीं आई", कुछ देर बाद एक महिला बाहर आई। कार्यकर्ता टीवी के एंकर की तरह नॉनस्टॉप बोलने की प्रतियोगिता करने लगा "नमस्ते दीदी अरे ! यह तो भाई साहेब आपके ही समाज की है, यह कहां जाएगी, वोट भाई साहब को ही देगी।" मेरे ही कार्यकर्ता मुझे कुछ कहने का मौका ही नहीं दे रहे थे मैं कुछ कहूं तब तक उन्होंने दूसरे घर की घंटी बजा दी, उसमें भी वही अपनत्व भरे संवाद, वोट देने का साधिकार आग्रह और पिछली शताब्दी के जमाने के रिश्ते निकालने की आतुरता जारी थी। किसी भी चुनाव की जीत हार में सिर्फ वोटर के हाथ की उंगली ही जिम्मेदार नहीं होती बल्कि कई उम्मीदवार तो बिना उंगली हिलाए अपने नेता के नाम से नैय्या पर लगा लेते हैं। लेकिन जो वोटर होता है, वह आजकल बहुत स्याणा हो गया। वोटर भी तीन प्रकार के होते हैं। पहला प्रतिबद्ध, दूसरा प्रतिद्वंदी, और तीसरा पलटी मार या ढुलमुल। ये जो तीसरे टाइप के वोटर होते हैं। बड़े खतरनाक होते हैं भेंट पूजा लेने के बाद भी कब पलटीमार जाएं कोई भरोसा नहीं। हमें यह भरोसा था कि जो हमारे प्रतिबद्ध वोटर है वह तो हमें वोट दे ही देंगे, प्रतिद्वंदी पर हमने मेहनत नहीं की और पलटी मार वोटरों को अपने तरफ पलटने के लिए बहुत मेहनत की लेकिन हमें इन तीनों ने मिलकर डब्लू डब्लू ई टाइप ऐसी बेदर्दी से मारा कि आज तक अपने हाथ पैर सहला रहे हैं। अब तो हारे को हरि नाम नहीं हार को सम्मानित करने का समय आ गया है। वो तब होगा जब वे अपना सम्मान स्वयं करने लगेंगे इसलिए दुनिया के सारे जमानत जब्त वालों एक हो जाओ। इसके लिये उनकी एक आवाज होनी चाहिए , एक पार्टी होनी चाहिए जब तक जमानत जब्त करने वालों की एक पार्टी नहीं बनेगी तब तक हारे का हरिनाम ही होगा सम्मान कभी नहीं होगा।

आज के ट्वीट

लखनऊ में एक मॉल खुला है, वह अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठान को लेकर काम कर रहा है, उसको लेकर राजनीति का अड्डा बनाना, सड़कों पर प्रदर्शन करना, यातायात को बाधित करना गलत है। बार-बार लखनऊ प्रशासन से कहा गया कि जो अराजकता की स्थिति पैदा करने, सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने का कुत्सित प्रयास हो रहा है, उसे गंभीरता से लेना चाहिए और किसी भी प्रकार की शरारत को स्वीकार नहीं करना चाहिए।

- योगी आदित्यनाथ

विकास की श्रृंखला जो साल 2000 से शुरू हुई है, उसको तेजी से आगे बढ़ाएंगे। यह प्रसन्नता की बात है कि प्रदेश में डबल इंजिन की सरकार है और पीएम मोदी की सरकार आने के बाद ऑर्गनाइजेशन ने बहुत तेजी से विकास किया है। हम नई-नई योजना लाएंगे और वर्तमान में जो छोटी-छोटी समस्याएं दिख रही हैं, उन्हें प्राथमिकता से हमारे महापौर निपटाएंगे।

- कैलाश विजयवर्गीय

आज का इतिहास

- 1997 - तिस्ता नदी के जल बंटवारे पर भारत-बांग्लादेश में समझौता।
- 1999 - यू.आर. राव (भारत) 'यूनिस्पेस-3' के अध्यक्ष निर्वाचित, स्पेन में प्रथम बौद्ध स्तूप का उद्घाटन।
- 2002 - उत्तर व दक्षिण कोरिया ने आपस में वायुयान सेवा की शुरूआत की।
- 2007 - पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने मुशर्रफ सरकार द्वारा बर्खास्त किये गए मुख्य न्यायाधीश इफ्तिखार चौधरी को पद पर पुनः बहाली का निर्णय दिया।
- 2008 - अमेरिकी विदेशमंत्री कोंडलिजा राइस ने भारतीय अमेरिकी डॉक्टर जयन्त पाटिल के प्रत्यर्पण को मंजूरी दी।

जन्मे जो आज के दिन

राजेंद्र कुमार

भारतीय फिल्म अभिनेता थे। राजेन्द्र कुमार 1960 और 1970 के दशक में फिल्मों में सक्रिय थे। उन्होंने फिल्मों में अभिनय करने के अलावा कई फिल्मों का निर्माण और निर्देशन भी किया था। हिन्दी फिल्मों में अपने सफल अभिनय और बेमिसाल अदाकारी की वजह से राजेन्द्र कुमार ने जो स्थान बनाया है, वहां तक पहुंचना हर अभिनेता का सपना होता है। राजेन्द्र कुमार की हर फिल्म इतनी हिट होती थी कि वह कई सालों तक बेहतरीन बिजनेस किया करती थी और यही वजह थी कि लोग उन्हें 'जुबली कुमार' के नाम से पुकारते थे। अपने रोमांटिक व्यक्तित्व की उन्होंने सिनेमा जगत में ऐसी छटा बिखेरी की, उनकी फिल्में एक यादगार बन गईं। फिल्म 'आरजू' हो या 'आई मिलन की बेला' हर फिल्म में राजेन्द्र कुमार का एक अलग ही स्वरूप दर्शकों ने देखा।

- 1820 - गणेश वासुदेव जोशी - सार्वजनिक कार्यकर्ता।
- 1950 - नसीरुद्दीन शाह - भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध तथा प्रतिभाशाली अभिनेता।
- 1920 - गुलाम मोहम्मद शाह - जम्मू और कश्मीर के भूतपूर्व आठवें मुख्यमंत्री थे।
- 1811 - लॉर्ड एलगिन प्रथम - लॉर्ड कैनिंग के बाद भारत के वायसराय बनकर आये थे।

क्या काशी दिखाएगी शिक्षा नीति की नई राह

नई शिक्षा नीति एक नई ऊर्जा और गति से काम करे, इसके लिए पिछले हफ्ते वाराणसी में तीन दिनों का अखिल भारतीय शिक्षा समागम हुआ। शिक्षा के क्षेत्र में क्या चुनौतियां हैं, और क्या सिद्धांत हों, इस पर यह समागम बहस का अच्छा मौका था। इस समागम के संपन्न होने के बाद क्या होगा, यह देखना अभी बाकी है। केंद्रीय शिक्षा नीति- 2020 की 'नॉलेज इज पावर' की मान्यता को जमीन पर उतारने के लिए 'सर्वविद्या की राजधानी' काशी (वाराणसी) में यह समागम हुआ था। समग्र शिक्षा के तहत इसमें बहस प्राइमरी और माध्यमिक शिक्षा पर भी होनी थी कि कहां-कहां उसमें ढिलाई है। यह भी पता लगता कि हमने क्या पाया है। तब जाकर समग्र चिंतन होता। मगर पूरे समागम की बहसें हायर एजुकेशन की अलग-अलग चीजों पर ही सिमटी रहीं। यह समागम केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, यूजीसी और बीएचयू की पहल पर हुआ था। इसमें देश भर से 400 से अधिक कुलपति, शिक्षाविद और शिक्षा क्षेत्र के प्रशासक आए थे। इस समागम में अगले साल शुरू होने वाली डिजिटल यूनिवर्सिटियां, सभी के लिए शिक्षा के समान अवसर, कई भाषाओं में शिक्षा, स्टूडेंट्स के लिए क्रेडिट बैंक और उन्हें किसी भी समय, कहीं भी शिक्षा पाने की सुविधा जैसे सवाल अहम रहे। इसमें जो भी समस्या और शंकाएं सामने आईं, वे पूरी तरह से हल होनी बाकी हैं।

'समागम' के उद्घाटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीति के क्रियान्वयन की कई दिक्कतों और चुनौतियों की ओर इशारा किया। टीचर्स को संकुचित दायरे से बाहर निकालने, 'फ्यूचर रेडी' युवा पीढ़ी तैयार करने और भारतीय भाषाओं को नई ऊर्जा देने पर पीएम ने खास चर्चा की। उन्होंने 'लैब टु लैंड' और 'लैंड टु लैब' के रोड-मैप पर जोर दिया। उनका फोकस रहा कि 'परिणाम और प्रमाण' की अवधारणा तो आए ही, शिक्षा की प्रामाणिक और समाजोपयोगी भूमिका भी लौटे।

भारत में शिक्षा नीति का सफर 50 वर्ष पुराना है। 1968 में कोठारी कमिशन ने शिक्षा के लिए 'संपूर्ण मौलिक पुनर्रचना' के लिए सुझाव दिए थे। 1986 में गठित आयोग ने शिक्षा के अवसर की असमानताएं दूर करने के लिए रिपोर्ट दी थी। तीसरी शिक्षा नीति (2020) से पहले की दो शिक्षा नीतियों की रिपोर्ट की सिफारिशें लागू ही नहीं की गईं। प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के कार्यकाल में आचार्य राममूर्ति की अध्यक्षता में गठित कमिटी की रिपोर्ट भी सालों से धूल फांक रही है। ऐसे में तीसरी शिक्षा नीति से जुड़े कई सवालों के जवाब पाने थे।

खास बात यह कि इस समागम में तीन दिनों तक खुद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मौजूद रहे। हालांकि हायर एजुकेशन की भी जो दिशा और चुनौतियां हैं, तात्कालिक समागम होने के बावजूद इससे उन पर दूरगामी परिणामों की उम्मीद की जा सकती है। शिक्षा मंत्री ने साफ कहा कि सभी कुलपति 3 दिनों के लिए अपनी यूनिवर्सिटी भूल जाएं और सभी सत्रों में बैठें। आमतौर पर ऐसा कम ही देखने को मिलता है।

'समागम' के सैद्धांतिक निष्कर्षों का नैशनल लेवल पर लागू होना तो भविष्य ही बताएगा, पर यह तय है कि 21वीं सदी भारत को वैश्विक ज्ञान शक्ति मानेगी। नई शिक्षा नीति-2020 का मूल मंत्र 'स्टूडेंट्स फर्स्ट' है। समागम में एजुकेशन में इनोवेशन पर भी काफी बात हुई। यूजीसी की जगह नैशनल हायर एजुकेशन कमिशन, ज्ञान के प्राचीन स्रोतों का संरक्षण, बेहतर टीचिंग मैनेजमेंट जैसी चीजों पर देश की नजर बनी रहेगी। सारी भारतीय भाषाओं में पाठ्य सामग्री और नई शिक्षा नीति के मुताबिक टीचर्स को तैयार करने की चुनौती पर भी चर्चा हुई। 12 भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई कैसे होनी है, इस पर भी सोचा गया। अनुसंधान, आविष्कार और वेतन-पेंशन से आगे की सोच वाले शिक्षकों की पीढ़ी तैयार करने की चुनौती इस विमर्श का मूल थी।

राम मोहन पाठक

सन 1835 में मैकाले की नौकरशाह तैयार करने वाली शिक्षा पद्धति से अलग भारतीय शिक्षा को अपनी जड़ों की ओर ले जाने में नई शिक्षा नीति- 2020 के सामने कठिनाइयां तो हैं लेकिन सरकारी और गैर सरकारी शक्तियां मिलकर कोशिश करें तो इसके लक्ष्य पाए जा सकते हैं।

चित्रकूट के घाट से

राम करहु सब संयम आजू

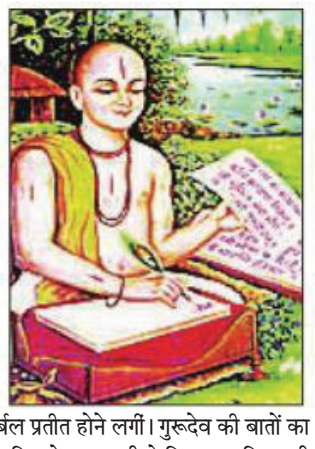

चित्रकूट में राघवेन्द्र के उपदेश देते समय भी उन्होंने एक गुप्त संकेत उनसे कर दिया था कि यदि विधाता कुशलतापूर्वक कार्य-निर्वाह कर दें तो- *राम करहु सब संयम आजू। जो विधि कुशल निबाह है काजू।*

अंत में जो होना था सो हुआ। परन्तु श्री भरत के आने पर स्थिति में एक पेचीदगी पैदा हो गई। गुरूदेव ने वहां पर भी श्री भरत को राज्याभिषिक्त करके समस्या को सुलझाना चाहा, पर समस्त तर्क-शक्ति, धर्म-शास्त्र की दुहाई देकर भी प्रेमपयोधि को न रोक सके। श्री भरत के तर्कों के समक्ष महर्षि की बातें दुर्बल प्रतीत होने लगीं। गुरूदेव की बातों का समर्थन लोगों ने असमर्थता और सुलझाहट के लिए केवल वाणी से किया था। किन्तु श्री भरत का निर्णय इतना हृदयग्राही था कि लोग थिरक उठे। यह निर्णय लोगों के 'राम वियोग विषम विष' के लिए 'सबीज मन्त्र' था। महर्षि को भी समर्थन करना पड़ा। उन्हें सबसे अधिक चिन्ता धर्म-रक्षा की थी। इस पृष्ठभूमि को हृदयंगम कर लेने पर श्री वसिष्ठ जी का दृष्टिकोण समझने में सुगमता होगी। अस्तु उन्होंने कहना प्रारम्भ किया।

बोले मुनिबरु समय समाना। सुनहु सभासद भरत सुजाना।
धरम धुरीन भामकुल भानू। राजा रामु स्वबस भगवानू।
सत्यसंध पालक श्रुति सेतु। राम जनमु जग मंगल हेतू।
गुरू पितु मातु बचन अनुसारी। खल दलु दलन देव हितकारी।
नीति प्रीती परमारथ स्वारथु। कोउ न राम सम जान जथारथु।
बिधि हरि हरु ससि रबि दिसिपाला। माया जीव करम कुलि काला ।
अहिप महिप जहें लगि प्रभूताई। जोग सिद्धि निगमागम गाई।
करि विचार जियें देखहु नीकें। राम रजाइ सीस सबही कें।
दो.-राखें राम रजाइ रुख हम सब मिलि संमत सोइ। सब कहुं सुखद राम अभिषेकू।
मंगल मोद मूल मग एकू। केहि बिधि अवध चलिहिं रघुराऊ। कहहु समुझि सोइ करिअ उपाऊ।

- पूज्यपाद पं. रामकिंकरजी महाराज

करनीकोट चारागाह भूमि पर कब्जा करने की मची होड़, हरे पेड़ों को कर रहे ध्वस्त, गौशाला जिलाध्यक्ष को दे रहे जान से मारने की धमकी

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। उपखण्ड छेत्र के करनीकोट गांव की साबी नदी चारागाह भूमि पर अतिक्रमण करने की मानो होड़ सी मची है। चारागाह भूमि पर मौजूद झुंडे, हरे पेड़ों को धरासाही कर ट्रेक्टर से हल जोत कर अपना खेत बनाने का काम धडल्ले से करते हुए जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है। जिन्हें रोकने के लिए ना तो स्थानीय ग्रामपंचायत की ओर से ओर ना ही स्थानीय प्रशासन की ओर से ही कोई कदम उठाया जा रहा है। गौशाला जिलाध्यक्ष रामनिवास थानेदार के नेतृत्व में हाल ही में 7 जुलाई को हरसौरा पहुंचे राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को गौचर भूमि पर हो रहे अवैद्य कब्जे को लेकर शिकायत पत्र भी सौप चुके है। जिस पर जिला कलेक्टर की ओर से अतिक्रमण कर्ताओं पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन भी दिया गया था। परंतु अभी तक प्रशासन की ओर से अतिक्रमण कर्ताओं पर किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नही की जाने से गौशाला प्रबंधन में रोष व्याप्त है।

गौशाला समिति जिलाध्यक्ष को दे रहे जान से मारने की धमकी

राजस्थान गौशाला विकास समिति जिलाध्यक्ष रामनिवास थानेदार ने आरोप लगाया कि बाबा खेतानाथ गौशाला के समीप की गौचर भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने को लेकर प्रशासन को उनके द्वारा शिकायत की जाने को लेकर स्थानीय अतिक्रमण कारी उसे जान से मारने की धमकी दे रहे है। अतिक्रमण कर्ताओं की तरफदारी कर रहे करनीकोट ग्रामपंचायत सरपंच प्रतिनिधि कैलाश शर्मा के समर्थक गौशाला समिति पदाधिकारियों को गौशाला नही आने को लेकर कई बार धमका चुके है। साथ ही जिलाध्यक्ष को पंजाब के मुसेवाले की हुई हत्या के मुताबिक मरवा डालने की धमकी दी जा रही है। जिसकी शिकायत स्थानीय पुलिस थाना मुण्डावर में संवंधित लोगो के विरुद्ध शिकायत की जा चुकी है। फिर भी कोई कार्रवाई उक्त लोगो के विरुद्ध नही की गई।

अपने स्वार्थ पूर्ति की चाह में वन्य जीवों, हरे पेड़ो, वन संपदाओं को उजाड़ने में जुटे है अतिक्रमणकारी चारा गाह भूमि पर कब्जा कर रहे अतिक्रमण कारियो को रोक पाने में नाकाम पर्यावरण प्रेमी ग्रामीण भी मौन दर्शक बने होने को विवश हैं। पूर्व सरपंच अनिता यादव का मानना है कि अकेले करनीकोट गांव की 219.41 हैक्टेयर भूमि चारागाह की है। ग्रामपंचायत के ही गांव मुण्डनवाडा खुर्द की चारागाह भूमि पर जिले की सबसे बड़ी बाबा खेतानाथ गौशाला संचालित है। जिसके उपयोगार्थ पूर्व की ग्रामपंचायत द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र भी गौशाला संचालकों को सौप दिया था। अपनी पुस्तैनी खेती की बर्बादी को बचाने की सोच को लेकर ही बनी गौशाला के संचालन में सहयोग देने की बजाय उसके उपयोगार्थ गोचर भूमि पर ही अतिक्रमण को बढ़ावा देना आमजन को आहत पहुंचाने वाला कदम है। गौरतलब है कि साबी नदी में दूर तक बालू रेत होने के चलते वन विभाग द्वारा 90 के दशक में पौधरोपण कर हजारों पौधे तैयार कर बालू रेत में हरियाली लाने का काम किया था। परंतु वर्तमान में जमीन की चाह में अतिक्रमण कारी हरे पेड़ो व वन संपदा को बर्बाद करने पर तुले होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन व ग्रामपंचायत कुम्भकर्णीय नींद सोता प्रतीत हो रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। मुण्डावर तहसीलदार रोहिताश्व पारीक का कहना है कि गोचर भूमि पर हल चलाने वाले व हरे पेडों को उखाड़ने वालो की हल्का पटवारी से रिपोर्ट मंगवाकर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।जबकि समय बीतते जाने के साथ बढते अतिक्रमण को रोकना ही स्थानीय प्रशासन मुनासिब नही समझ रहा है। जिसपर आसपास के 42 गांवो के किसान व गोभक्त आक्रोशित है।

शिकायत के बाद भी अपना रवैया नही सुधारा तो वार्ड पार्षद ने ट्रैक्टर ट्राली ले खुद इक्कठा करने लगे कचरा

मरूधर हिंद/खेमचन्द गुप्ता

जयपुर ग्रेटर झोटवाड़ा विधानसभा वार्ड 37 में नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा हुपरो को कॉलोनियों में मनमर्जी से 4 से 5 रोज में हूपर भेजने खिलाफ़ शिकायत के बाद भी अपना रवैया नही सुधारा तो वार्ड पार्षद रमेश चंद्र गुप्ता ने हुपरो को बन्द कर दिया और स्वयं ने टेक्टर ट्रॉली की व्यवस्था करके घर घर जाकर कचरा उठाया और क्षेत्र की जनता को राहत दी साथ ही नगर निगम के अधिकारियों को चेतावनी दी कि जब तक कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही नही होगी जब तक वार्ड में हूपर नही आने देगे व पार्षद महोदय जब तक सफाई व्यवस्था स्वंय करेगे जिससे वार्डवासियों को कोई परेशानी नही उठाने पड़े आज इस व्यवस्था में क्षेत्र के भा ज पा कार्यकर्ता श्री जीवराज सिंह जी ,विनोद जी उपाध्याय वअन्य कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा साथ मे वार्ड 37 के निवासियों ने भी धैर्य रख कर सहयोग किया ।

यूपीः दलित छात्राओं को यूनिफॉर्म उतारने के लिए मजबूर करने की आरोपी महिला शिक्षकों पर केस

हापुड़। उत्तर प्रदेश में हापुड़ जिले के एक सरकारी प्राथमिक स्कूल के दो महिला शिक्षकों पर 11 जुलाई को कथित तौर पर दो दलित छात्राओं को अपनी यूनिफॉर्म उतारने के लिए मजबूर करने का आरोप है. उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, दोनों लड़कियों के माता-पिता के अनुसार, शिक्षक स्कूल ड्रेस में छात्रों की तस्वीरें ले रहे थे. उनकी बेटियों को कथित तौर पर शिक्षकों ने अपनी यूनिफॉर्म उतारकर दो अन्य लड़कियों को देने के लिए कहा, जो स्कूल की पोशाक में नहीं थीं.

हापुड़ के सहायक पुलिस अधीक्षक ने कहा, 'दोनों शिक्षकों के खिलाफ आईपीसी की धारा 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने की सजा), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जान-बूझकर अपमान), 166 (किसी व्यक्ति को चोट पहुंचाने के इरादे से लोक सेवक कानून की अवज्ञा करना), 505 (सार्वजनिक शरारत करने वाले बयान), 355 (किसी व्यक्ति का अपमान करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल, अन्यथा गंभीर उकसावा) और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3 (2) (वी) (अत्याचार के अपराधों के लिए दंड) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है.'उन्होंने कहा कि मामले की आगे की जांच चल रही है.

लड़कियों के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि शिक्षक जाति के कारण उनकी बेटियों के साथ भेदभाव करते हैं।

एक लड़की की मां ने आरोप लगाया, 'शिक्षक स्कूल की यूनिफॉर्म में छात्रों की तस्वीरें ले रहे थे. मेरी बेटी को अपनी यूनिफॉर्म उतारने और दूसरी लड़की को देने के लिए कहा गया. जब मेरी बेटी ने कहा कि वह ऐसा नहीं कर सकती तो उन्होंने उसके साथ मारपीट की और जबरदस्ती उसकी यूनिफॉर्म उतार दी. मैंने स्कूल से शिकायत की. मुझे जवाब नहीं मिला है कि ऐसा क्यों किया गया.'एक लड़की के पिता ने इसकी शिकायत शोषित क्रांति दल के अध्यक्ष रविकांत से की, जिन्होंने हापुड़ के बेसिक शिक्षा अधिकारी के समक्ष इस मुद्दे को उठाया.रविकांत ने कहा, 'यह दो लड़कियों के खिलाफ शिक्षकों द्वारा जान-बूझकर की गई कार्रवाई थी, क्योंकि वे अनुसूचित जाति से संबंधित हैं. जब पिता ने मुझसे संपर्क किया, तो मैंने शिक्षा विभाग के साथ मामले को उठाया और दोनों शिक्षकों को निलंबित करने का अनुरोध किया.'रविकांत की शिकायत के आधार पर दोनों शिक्षकों को 13 जुलाई को निलंबित कर दिया गया था. हापुड़ की बेसिक शिक्षा अधिकारी अर्चना गुप्ता के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

कृषक उपहार योजना के तहत निकाली ई-उपहार कूपनों की लाटरी

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। राज्य सरकार द्वारा मण्डी समितियों के माध्यम से संचालित कृषक उपहार योजना के अन्तर्गत कृषि उपज मण्डी समिति खेरली द्वारा जारी ई उपहार कूपनों की लाटरी मंगलवार को प्रातः11 बजे मण्डी समिति कार्यालय में आयोजित की गई। जिसमें प्रशासक कृषि उपज मण्डी समिति खेरली उपखण्ड अधिकारी कठूमर तथा ईशाक हारून क्षेत्रीय उपनिदेशक कृषि विपणन विभाग खण्ड अलवर के समक्ष लाटरी निकाली गई। जिसमें ई-पेमेन्ट की विक्रय पचियों पर जारी कूपनों की लाटरी में प्रथम पुरुस्कार संतोष कुमार ग्राम दारौदा 25000 रूपये, द्वितीय पुरुस्कार मनमोहन शर्मा 15000 रुपये एवं तृतीय पुरुस्कार धीरज कुमार गुप्ता खेरली 10000 रुपये के नाम निकला? इसके अतिरिक्त गेट पास की विक्रय पचियों पर जारी कूपनों की लाटरी में प्रथम पुरुस्कार इन्दरसिंह ग्राम लिंडपुरी कठूमर 25000, द्वितीय

पुरुस्कार रामश्री चौधरी ग्राम पथैना तहसील भुसावर 15000 एवं तृतीय पुरुस्कार विभवंद ग्राम घाटाभावर कठुमर 10000 रुपये के नाम से निकला। इस दौरान मंडी समिति सचिव दिलीप सिंह, उपखंड अधिकारी रामकिशोर मीणा, क्षेत्रीय उपनिदेशक ईशाक हारून, अमोलक जैन सहित अनेक व्यापारी एवं किसान मौजूद रहे।

खेरली कस्बे की नगरपालिका द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान में 70 किलो पॉलिथीन की जब्त

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। खेरली कस्बे की नगरपालिका द्वारा आज मंगलवार को सिंगल उसे प्लास्टिक के खिलाफ अभियान में 70 किलो प्लास्टिक की पॉलिथिन जब्त की। नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी किंगपाल सिंह ने बताया कि अभियान के चलते यह कार्यवाही की है जिसमे अभी तो सिंगल उसे प्लास्टिक को जब्त कर रहे है और आगे इस तरह की कार्यवाही जारी रहेगी पुनरावृत्ति होने पर चालान काट कर कार्यवाही की जाएगी इस दौरान फायर प्रभारी श्री मीना, जमादार पंकज, राजेश कुमार, विक्रम यादव, किशन सैनी, फकीरा खां एवं भवानी राजपूत सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

केंद्रीय कारागृह में निरूद्ध दिव्यांग बंदियों बांटे कृत्रिम उपकरण

मंत्री जूली ने कारागार परिसर में वृक्षारोपण भी किया

मरूधर हिन्द

अलवर । दिनेश लेखी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा कारागार विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने केन्द्रीय कारागृह जयपुर में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर के सहयोग से कारागृह में निरूद्ध दिव्यांग बंदियों के द्वारा कृत्रिम पैर व्हील चेयर, वोकर, बैशाखी एवं कैलिपर का वितरण किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केन्द्रीय कारागृह जयपुर में 26 दिव्यांग बंदियों को कृत्रिम पैर व्हील चेयर, वोकर, बैशाखी एवं कैलिपर का बांटे गए। इस अवसर पर मंत्री जूली ने कारागार परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

इस दौरान पद्म भूषण डी.आर. मेहता, सतीश मेहता, एस.एस. बिस्सा, महानिदेशक

जेल भूपेन्द्र कुमार दक, अतिरिक्त महानिदेशक जेल मालिनी अग्रवाल, महानिरीक्षक विक्रम सिंह कर्णावत, उप महानिरीक्षक कारागार रेंज जयपुर मोनिका अग्रवाल अधीक्षक केन्द्रीय कारागृह जयपुर राकेश मोहन शर्मा व उपाधीक्षक इन्द्र कुमार यादव उपस्थित रहे।

खेरली कस्बे के समीपवर्ती गांव ढहरीन में राष्ट्रीय पक्षी मोर की बचाई जान

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। खेरली कस्बे के निकटवर्ती गांव ढहरीन में मंगलवार को राष्ट्रीय पक्षी मोर की जान बचाई। जानकारी के अनुसार गांव ढहरीन में कुछ कुत्तों ने मोर को पकड़ कर घायल कर दिया। गांव के पवन सैनी एवं पप्पू सैनी ने जब यह देखा तो उसने कुत्तों को डंडे और पत्थर मारकर भगाया एवं मोर को घायल अवस्था में पशु चिकित्सालय ले गए जहां पर उसका प्राथमिक उपचार कर दिया। उन्होंने इसकी जानकारी फॉरेस्टर को भी दी। वही पवन के पिता हरिया सैनी ने बताया कि जब तक वनविभाग वाले इसे लेने नहीं आये तब तक घायल मोर को अपने घर ले आया और इसकी अच्छे से देखभाल भी की। करीब 8 घंटे पश्चात रेंजर कर्मचारी को इसे सुपुर्द किया गया इस दौरान समय सिंह सैनी, बल्ला सैनी,अतरसिंह सैनी एवं सूरज सैनी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

आप नेता संजय सिंह और बीजेपी के वरुण गांधी ने अग्निपथ पर लगाया जातिवाद का आरोप, सेना ने बताया अफवाह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह और बीजेपी के वरुण गांधी ने अग्निपथ योजना में जाति व धर्म प्रमाणपत्र मांगे जाने पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान आया है जिसमें उन्होंने कहा है कि पहले की प्रैक्टिस में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसी ट्वीट के कुछ घंटों बाद वरुण गांधी ने भी इस पर सवाल उठाए। उसी स्क्रीनशॉट को साझा करते हुए वरुण गांधी ने लिखा, 'सेना में किसी भी तरह का कोई आरक्षण नहीं है पर अग्निपथ की भर्तियों में जाति प्रमाण पत्र मांगा जा रहा है। क्या अब हम जाति देख कर किसी की राष्ट्रभक्ति तय करेंगे? सेना की स्थापित परंपराओं को बदलने से हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर जो प्रभाव पड़ेगा उसके बारे में सरकार को सोचना चाहिए।'

जून में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सेनाभर्ती की योजना अग्निपथ की घोषणा की थी। इस स्कीम के तहत 4 सालों के लिए अग्निवीरों की भर्ती की जाएगी। 4 सालों के बाद केवल 25 प्रतिशत लोगों को ही सेवा में रखा जाएगा। इस स्कीम को लेकर पूरे भारत में प्रदर्शन किए गए थे।

अब फिर से इस स्कीम को लेकर उठे जाति विवाद पर संजय सिंह और वरुण गांधी की टिप्पणियों को वरिष्ठ सेना आधिकारियों ने खारिज किया है। उन्होंने कहा कि यह एक गैर-जरूरी विवाद है। जरूरत पड़ने पर जाति और धर्म प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया हमेशा से रही है। मामले से जुड़े एक एक सेना के अधिकारी ने कहा, 'इस संबंध में अग्निवीर भर्ती योजना के लिए कोई बदलाव नहीं हुआ है।'

सेना के अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण के दौरान मरने वाले और प्रशिक्षण के दौरान मरने वाले सैनिकों का अंतिम संस्कार करने के लिए भी धर्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि अग्निपथ के तहत भर्ती पहले के उलट अखिल भारतीय और सभी वर्गों में होगी, जब विभिन्न रेजिमेंटों द्वारा विशिष्ट जाति- और वर्ग-आधारित आवश्यकताओं को शामिल किया गया था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद के बाहर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह अफवाह थी कि जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता नई है। उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता से पहले के युग के बाद से मौजूद पुरानी व्यवस्था चल रही है। कोई बदलाव नहीं किया गया है। पुरानी व्यवस्था को जारी रखा जा रहा है।'

सेना ने 2019 की भर्ती प्रक्रिया से प्रो फॉर्म भी जारी किया, जिसमें तहसीलदार / एसडीएम / जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी उम्मीदवार की तस्वीर के साथ एक जाति प्रमाण पत्र चिपकाया गया था। एक धर्म प्रमाण पत्र, यदि धर्म सिख / हिंदू / मुस्लिम / के रूप में है। जाति प्रमाण पत्र में ईसाई का उल्लेख नहीं है।

सरपंच शेरसिंह मीणा ने कोविड की बूस्टर डोज लगवाने लिए लोगों से की अपील

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। ग्राम पंचायत के राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर बुधवार को निशुल्क टीकाकरण अभियान तहत बूस्टर डोज लगाई जायेगी।

सरपंच शेरसिहं मीणा ने बताया कि ग्राम पंचायत भवन पर वैक्सीनेशन केंद्र प्रभारी एसडीएम रामकिशोर मीणा के सानिध्य में कोविड वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित होगा। सभी ग्राम वासियों से अपील की है। जिनकी कोविड की दोनों डोज लगे छः महीने से ज्यादा हो गए वो सभी महिला पुरुष बूस्टर डोज नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे कर बूस्टर डोज लगवाए। और समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,आशा सहयोगिनी एवं राशन डीलर लोगों को जागरूक करने एवं वैक्सीनेशन साईट पर पहुचाने में सहायता करें।

जयपुर महानगर ग्रेटर के एक ऐसे पार्षद जिन्होंने हर मंगलवार को सभी को साथ लेकर करते है, हनुमान चालीसा

मरूधर हिंद/महावीर सिंह चौहान

जयपुर ग्रेटर गणेश सिंह नाथावत पार्षद वार्ड नंबर 41 नगर निगम जयपुर द्वारा पिछले काफी समय से प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया जाता है । जिसमे सभी उम्र के लोग बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है, ओर हनुमान चालीसा का पाठ करते है।

पार्षद गणेश सिंह नाथावत ने बताया हमारे पूर्वजों ने हमारे तीज त्यौहार बड़े अध्ययन के बाद बनाए थे तीज त्यौहार के बहाने एक दूसरे से मिलना हो जाता है और इससे आपस में एक दूसरे के प्रति प्रेम ओर लगाव की भावना जागृत होती है जिससे हम एक दूसरे के सुख दुख में काम आते है। आधुनिक दुनिया में हमने आज मोबाइल को ही सब कुछ बना लिया है और एक दूसरे से मिलना छोड़ दिया है इसकी वजह से संकट के समय हम अपने आप को अकेला पाते हैं इसलिए एक दूसरे से प्रेम भाव बढ़ाने और एक दूसरे के काम आने के लिये

ऐसा ही प्रयास संपूर्ण जयपुर महानगर में सभी जनप्रतिनिधि को करना चाइये जिससे समाज की अधिकतम समस्याओं का समाधान भी हनुमान चालीसा के बाद एक दूसरे से बात होने पर हो जाएगा भविष्य के लिए इस तरह के आयोजन हिंदू समाज के लिए बहुत आवश्यक है मेरी नजर में इस तरह के पाठ आस्था के साथ साथ हमारे हिन्दू समाज मे शक्ति के केंद्र भी बनेंगे ।।

मेरी पुस्तक मेरा मित्र अंतर्मन का लेखा जोखा कार्यक्रम का आयोजन

मरूधर हिंद/महावीर सिंह

सीआईएसएफ आठवी आरक्षित वाहिनी आमेर जयपुर के परेड ग्राउंड में उप कमांडेंट श्री विजय कुमार के नेतृत्व में मेरी पुस्तक मेरा मित्र अंतर्मन का लेखा जोखा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें उप कमांडेंट सुरेश चौधरी सहित 264 अधिकारियों

और जवानों ने भाग लिया इस मौके पर उप कमांडेंट श्री विजय कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम को आयोजन करने का मकसद अपने आपको रेजिमेंटल गतिविधियों तक सीमित रखना ही नहीं है बल्कि आजकल के तकनीकी युग से कुछ समय निकालकर पुस्तक को अपना मित्र बनाएं दैनिक गतिविधियों को डायरी में लिखे उससे दिनचर्या का लेखा-जोखा करें और उसको अपने जीवन में ढाले। अंत मे इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आरक्षित निरीक्षक प्रबल सिंह और उनकी टीम को धन्यवाद दिया

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

महिला ट्रिपल जम्प के फाइनल के बाद कांस्य पदक विजेता संयुक्त राज्य की टोरी फ्रैंकलिन और रजत पदक विजेता जमैका की शनैका रिकेट्स के साथ अपनी जीत का जश्न मनाती वेनेजुएला की स्वर्ण पदक विजेता युलिमार रोजस।

ओरेगन में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पुरुषों के 3000 मीटर स्टीपलचेस के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करते धावक।

एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में हर्षदा ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली | एजेंसी

तेजी से उभरती हुई भारतीय भारोत्तोलक हर्षदा गरुड़ ने ताशकंद में एशियाई युवा एवं जूनियर भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में महिलाओं का 45 किग्रा वर्ग का स्वर्ण पदक जीता। भारत की इस 18 वर्षीय भारोत्तोलक ने सोमवार को कुल 157 किग्रा (69 किग्रा और 88 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने मई में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में खिताब जीतने के दौरान उठाए 153 किग्रा (70 किग्रा और 83 किग्रा) वजन से चार किलो वजन अधिक उठाया। भारत की सौम्या दलवी ने 45 किग्रा युवा वर्ग में कांस्य पदक जीता। युवा विश्व चैंपियनशिप की इस कांस्य पदक विजेता ने 145 किग्रा (63 किग्रा और 82 किग्रा) भार उठाया।

पुरुषों के 49 किग्रा युवा वर्ग में एल धनुष ने 85 किग्रा वजन उठाकर स्नैच वर्ग में कांस्य पदक जीता। वह हालांकि कुल भार के आधार पर 185 किग्रा (85 किग्रा और 100 किग्रा) वजन उठाकर चौथे स्थान पर रहे।

ब्लैक बेल्ट धारक बनी कीर्तना पिल्लई

भोपाल। कुमारी कीर्तना पिल्लई ने भोपाल जिला कराटे एसोसिशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में ब्लैक बैल्ट हासिल किया है। साथ ही राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में जगह बनाई है। कीर्तना के प्रशिक्षक वासुदेव नायर और सुजाता ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए विश्वास जताया कि कीर्तना आगे राजधानी का नाम रोशन करेंगी। बता दें कि कीर्तना कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल की विधार्थी है। यह दो बार राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगता की स्वर्ण पदक विजेता रह चुकी हैं। कुमारी कीर्तना पिल्लई ने भोपाल जिला कराटे एसोसिशन द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में ब्लैक बैल्ट हासिल किया साथ में राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में जगह बनाई। कीर्तना के प्रशिक्षक आदरणीय वासुदेव नायर और सुजाता जी का बहुत आभार जिन्होंने कीर्तना पे विश्वास जताया और उसे प्रोत्साहित किया। कीर्तना कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल की विधार्थी है जो दो बार राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगता की स्वर्ण पदक विजेता रह चुकी हैं।

हार्दिक की वापसी से खत्म हुआ भारत की मुश्किलें

सूर्य कुमार फिट हुए तो कोहली का बैकअप भी मिला, पांड्या ऑलराउंडर बनकर उभरे

2011 के बाद भारतीय क्रिकेट टीम कोई वर्ल्ड कप नहीं जीत पाई है। ऐसे में उम्मीद लगाई जा रही है कि इस साल अक्टूबर में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भारत कमाल करेगा और 11 साल से आ रहे सूखे को खत्म करेगा। इसके लिए टीम मैनेजमेंट को भी बदल दिया गया है। रोहित शर्मा को कप्तानी और राहुल द्रविड़ को कोचिंग का जिम्मा सौंपा गया है। अभी हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर काफी लंबे समय से चली आ रही टीम इंडिया की 5 मुश्किलें भी लगभग खत्म होती नजर आईं।

नंबर-4 पर सूर्या फिट

भारत ने 2007 से अब तक दो वर्ल्ड जीते हैं। एक वनडे और एक टी-20 वर्ल्ड कप। दोनों में ही युवराज सिंह सबसे अहम खिलाड़ी साबित हुए थे। नंबर-4 पर विस्फोटक बल्लेबाजी युवी की खासियत थी। अगर टॉप आर्डर अच्छा परफॉर्म करता तो युवी नंबर-4 पर आकर टीम को और भी अधिक ऊंचाई पर ले जाते। अगर टॉप ऑर्डर फेल होता तो युवराज पारी संभालने का काम करते थे। तब से अब तक भारतीय टीम क्रिकेट में नंबर-4 पर युवराज का रिप्लेसमेंट खोज रही थी। इस दौरान नए-पुराने कुल 18 खिलाड़ियों को इस नंबर पर आजमाया गया, लेकिन कोई भी खुद को युवराज का एक चौथाई भी साबित नहीं कर पाया। अब इंग्लैंड दौरे पर ये परेशानी खत्म हो गई है। सूर्यकुमार यादव के रूप में टीम को नंबर-4 पर बल्लेबाजी करने के लिए एक तगड़ा खिलाड़ी मिला है। अंग्रेजों के खिलाफ टी-20 सीरीज में तीन मुकाबलों की तीन पारियों में सूर्या ने 171 रन बनाए। इसमें एक शानदार शतक भी मौजूद था। सूर्यकुमार पेस और स्पिन दोनों खेलने में एक समान महारत रखते हैं।

हार्दिक पूरी तरह फिट

हार्दिक की पीठ की चोट ठीक नहीं हो रही थी। वे गेंदबाजी नहीं कर पा रहे थे। भारतीय टीम ने उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप तक मौका दिया फिर ड्रॉप कर दिया। जिस मुंबई इंडियंस को उन्होंने कई बार चैम्पियन बनाया उसने तो एक सीजन भी इंतजार नहीं किया। पंड्या को रिटेन नहीं किया गया। पंड्या इससे टूटे नहीं। कड़ी मेहनत की। फिटनेस को दुरुस्त किया और ग्राउंड पर वापसी कर ली। पहले उन्होंने आईपीएल-2022 में बतौर कप्तान नई-नवेली टीम गुजरात टाइटंस को चैम्पियन बनाया और फिर उसके बाद इंग्लैंड दौरे पर क्या कमाल की वापसी की है। टी-20 सीरीज हो या वनडे सीरीज दोनों में हार्दिक ने अपने बल्ले और गेंद दोनों से कमाल दिखाया है। वनडे सीरीज में वो ऋषभ पंत के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज थे। वहीं, 3 मुकाबले में इस खिलाड़ी ने 6 विकेट भी अपने नाम किए। अंग्रेजों के खिलाफ पहले टी-20 में उनका प्रदर्शन भला कौन भूल सकता है। बल्लेबाजी करते हुए हार्दिक ने 33 गेंद में 51 रन जड़ दिए थे। वहीं, जब गेंदबाजी की बारी आई तो 4 विकेट भी झटके और टीम इंडिया को मैच में जीत दिलाई। हार्दिक के टीम में वापसी से मिडिल ऑर्डर में मजबूती आ गई है। हार्दिक ने यह डिबेट भी समाप्त कर दिया है कि टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का ऑलराउंडर कौन होगा। अगर कोई खिलाड़ी एक ही मैच में फिफ्टी भी जमाए और चार विकेट भी ले तो उससे बेहतर दावेदार कौन हो सकता है

कोहली के बैकअप हुड्डा ?

विराट कोहली आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के पहले तीन टी-20 मैचों में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। उनकी जगह इन मुकाबलों में दीपक हुड्डा ने टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी की। दो बार वे नंबर-3 पर आए और एक बार ओपनिंग की। हुड्डा ने इन तीन मैचों में 92 की औसत और 179 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। हुड्डा की एक और खासियत यह है कि वे ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं। यानी विराट अगर जल्द फॉर्म में नहीं लौटे और तेज बल्लेबाजी नहीं की तो नंबर-3 का स्पॉट बचाए रखना उनके लिए काफी मुश्किल हो सकता है।

पंत का पावर भी आएगा

इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कमाल की फॉर्म दिखाई है। वह पिछले एक साल से तीनों फॉर्मेट को मिलाकर टीम इंडिया के बेस्ट बल्लेबाज साबित हुए हैं। इंग्लैंड के इस दौरे की शुरूआत उन्होंने बर्मिंघम टेस्ट में शतक बनाकर की और समापन मैनचेस्टर वनडे में तूफानी शतकीय पारी खेल कर की। पंत ने 1 जुलाई 2021 से अब तक 36 इंटरनेशनल मैचों में 1,287 रन बनाए हैं। इनमें तीन शतक भी शामिल हैं।

रोहित शर्मा के कप्तान बनने के बाद जीत का सिलसिला जारी

अब तक उनकी अगुआई में टीम इंडिया ने सात सीरीज खेली हैं और वो सभी अपने नाम करने में कामयाब रही है। रोहित शर्मा इंडिया को चार टी-20, दो वनडे और एक टेस्ट सीरीज में जीत दिलाने में कामयाब रहे हैं। रोहित शर्मा को वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी महीने खेले जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से आराम दिया गया है।

केएल राहुल फिट, झूलन की गेंदों पर दिया टेस्ट!

नई दिल्ली। टीम इंडिया के धुरंधर बल्लेबाज केएल राहुल सफल सर्जरी के बाद अपनी अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। वह बेंगलुरु में नेशनल अकैडमी में हैं और उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में वह महिला टीम की सीनियर ऑलराउंडर झूलन गोस्वामी की गेंदों पर शॉट खेलते दिख रहे हैं। महिला तेज गेंदबाज की गेंदों पर वह कभी डिफेंसिव तो कभी अग्रेसिव शॉट खेल रहे हैं। उनका नेट प्रैक्टिस में इस तरह से शॉट खेलना टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, कोच राहुल द्रविड़ और टीम मैनजमेंट के लिए बड़ी खुशखबरी है। राहुल साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हुए थे। उसके बाद वह ग्रोइन में खिंचाव और पैर की मांसपेशियों की चोट के बाद जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी से गुजरे।

मैं कोहली के साथ 20 मिनट बिता सका तो इससे उन्हें मदद मिलेगी : गावस्कर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर को लगता है कि वह खराब फॉर्म में चल रहे विराट कोहली की आफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर कमजोरी को दूर करने में मदद कर सकते हैं। खराब लय चल रहे कोहली ने 2019 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में शतक नहीं लगाया है। इंग्लैंड के हालिया दौरे पर छह पारियों (टेस्ट , टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय) में सिर्फ 76 रन बना सके। गावस्कर ने कहा, ''अगर मुझे कोहली के साथ 20 मिनट का समय मिले तो शायद मैं चीजों को कुछ ठीक कर सकूं। मैं यह नहीं कह रहा हूं मैं उनकी मदद करूंगा लेकिन खासकर ऑफ स्टंप की बाहर जाती गेंदों के साथ उनकी परेशानी को दूर कर सकता हूं।'' उन्होंने खुद का जिक्र करते हुए कहा, कि एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर आप ऐसी गेंदों पर काफी परेशानी का सामना करते हैं, ऐसे में आप इससे निपटने के लिए काफी कुछ करते हैं।

व्यापार स्टार

शेयर मार्केट

सेंसेक्स 246 अंक की बढ़त के साथ 54767 पर बंद, निफ्टी 16340 के पार

मुंबई | एजेंसी

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 246.47 अंक या 0.45% ऊपर 54,767.62 पर और निफ्टी 62 अंक या 0.38% ऊपर 16,340.50 पर बंद हुआ। एक्सिस बैंक, एमएंडएम, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और अपोलो हॉस्पिटल्स निफ्टी पर टॉप लूजर्स रहे, जबकि ओएनजीसी, नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी लाइफ, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स गेनर्स रहे। फार्मा में गिरावट रही जबकि रियल्टी और ढरव बैंक 2% से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुआ। इएए के मिडकैप और स्मॉलकैप में 0.5% की बढ़ोतरी हुई।

अमेरिकी बाजारों में रही कमजोरी

सोमवार को अमेरिकी बाजार भी कमजोर होकर बंद हुए। सोमवार को डाउ जोन्स में 216 अंकों की कमजोरी देखने को मिली और यह 31,072.61 के लेवल पर बंद हुआ। एस &पी 500 इंडेक्स में 0.84% गिरावट रही और यह 3,830.85 के लेवल पर बंद हुआ। जबकि नैस्डैक में 0.81% कमजोरी देखने को मिली और यह 11,360.05 के लेवल पर बंद हुआ। अर्निंग सीजन पर बाजार की नजर है। सोमवार यानी 18 जुलाई को विदेशी निवेशकों ने बाजार में 156.08 करोड़ का निवेश किया। वहीं घरेलू निवेशकों ने भी 844.33 करोड़ के शेयर खरीदे।

5जी के लिए अंबानी ने जाहिर किए इरादे

जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए 14,000 करोड़ जमा किए, ये अडाणी की राशि से 140 गुना ज्यादा

नई दिल्ली | एजेंसी

26 जुलाई को शुरू होने जा रही 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी में हिस्सा लेने के लिए रिलायंस जियो, भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और अडाणी डेटा नेटवर्क्स ने बयाना राशि जमा कर दी है। रिलायंस के इरादे इसी बात से पता चलते है उसकी बयाना राशि भारती एयरटेल की राशि से 2.5 गुना और वोडाफोन आइडिया से 6.3 गुना ज्यादा है। अडाणी डेटा नेटवर्क्स की जमा राशि से ये 140 गुना ज्यादा है।

अडाणी ने 100 करोड़ जमा किए

दूरसंचार विभाग की वेबसाइट पर पोस्ट की गई प्री-क्वालिफाइड बिडर्स की लिस्ट के अनुसार, वोडाफोन आइडिया ने 2,200 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल ने 5,500 करोड़ रुपए, अडाणी डेटा नेटवर्क्स ने 100 करोड़ रुपए और रिलायंस जियो ने 14000 करोड़ रुपए जमा किए है। यह दर्शाता है कि अडाणी आगामी नीलामी के दौरान केवल कम कीमत वाले स्पेक्ट्रम के लिए बोली लगाएंगे।

जियो के सबसे ज्यादा एलिजिबिलिटी पॉइंट

14,000 करोड़ रुपए की ईएमडी के साथ, नीलामी के लिए जियो को आवंटित पात्रता अंक 1,59,830 है, जो चार बिडर्स की लिस्ट में सबसे ज्यादा है। आमतौर पर, ईएमडी राशि नीलामी में स्पेक्ट्रम लेने की प्लेयर्स की भूख, रणनीति और योजना का एक व्यापक संकेत देती है। एयरटेल के एलिजिबिलिटी पॉइंट 66,330 हैं, जबकि वोडाफोन आइडिया के 29,370 हैं। अडाणी को अपनी जमा राशि के आधार पर 1,650 पॉइंट मिले हैं।

रिकॉर्ड निचले स्तर पर रुपया

पहली बार 80 के पार हुआ रुपया

नई दिल्ली | एजेंसी

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया छह पैसे की तेजी के साथ 79.92 (अस्थायी) रुपये पर बंद हुआ। रुपया कारोबार के दौरान 80.05 रुपये प्रति डॉलर के अबतक के सबसे निचले स्तर तक चला गया था लेकिन बाद में घरेलू शेयर बाजार और क्षेत्रीय मुद्राओं में तेजी के साथ यह सुधरकर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 80.00 प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान यह 80.05 के अबतक के सबसे निचले स्तर तक पहुंच गया। बाद में रुपये में थोड़ा सुधार आया और यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की तेजी के साथ 79.92 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सोमवार को रुपया दिन के कारोबार में डॉलर के मुकाबले 80 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गया गया था और कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले 16 पैसे की गिरावट के साथ 79.98 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया, 80 रुपये प्रति डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया।

नुकसान:
कच्चे तेल का आयात महंगा होगा, जिससे महंगाई बढ़ेगी। देश में सब्जियां और खाद्य पदार्थ महंगे होंगे। वहीं भारतीयों को डॉलर में पेमेंट करना भारी पड़ेगा। यानी विदेश घूमना महंगा होगा, विदेशों में पढ़ाई महंगी होगी।

फायदा:
निर्यात करने वालों को फायदा होगा, क्योंकि पेमेंट डॉलर में मिलेगा, जिसे वह रुपए में बदलकर ज्यादा कमाई कर सकेंगे। इससे विदेश में माल बेचने वाली आईटी और फार्मा कंपनी को फायदा होगा।

डीएसपी डंपर से रौंदकर हत्या पर कांग्रेस का आरोप, प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा रही

मेवात। हरियाणा के मेवात में अवैध खनन को रोकने गए डीएसपी सुरेंद्र सिंह बिश्नोई की माफियाओं ने डंपर से रौंदकर हत्या कर दी है। हादसे के बाद से हरियाणा की राजनीति गर्म हो गई है। मामले को लेकर विपक्ष अब भाजपा सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं होने का आरोप लगा दिया है। हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था चरमरा रही है। विधायकों को धमकी दी जा रही है, आज ना विधायक सुरक्षित हैं ना ही पुलिस तब आम आदमी कैसे सुरक्षित रहेगा।

हुड्डा ने दावा किया कि जनता का विश्वास उठता जा रहा है। सरकार को तुरंत इसतरह के कदम उठाने चाहिए जिससे जनता का विश्वास कायम हो। वहीं कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कानून व्यवस्था की स्थिति का जनाजा निकल चुका है। हरियाणा की सरकार विफल हो चुकी है। कहीं खनन माफिया कहीं संगठित गैंगस्टर घूम रहे हैं। पिछले 10 दिनों में 5 विधायकों को जान से मारने की धमकी मिली हैं, और सरकार कुछ नहीं कर पा रही। दूसरी ओर हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा है कि मैंने सख्त कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए हैं, जितनी भी पुलिस लगानी पड़े, जितनी भी फोर्स बुलानी पड़े, चाहे आसपास के ज़िलों की फोर्स बुलानी पड़े।

गोबर के बाद अब गौमूत्र भी खरीदेगी छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार, जानिए प्रति लीटर क्या होगा दाम

छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार अब गोबर के बाद गौमूत्र भी खरीदेगी। इसकी शुरुआती कीमत कम से कम 4 रुपये प्रति लीटर की दर से तय की गई है। इसके अलावा गौठान प्रबंध समिति स्थानीय स्तर पर भी गौमूत्र खरीदी की कीमत तय कर सकती है। गौमूत्र खरीदारी की शुरुआत हरेली तिहार यानी कि 28 जुलाई से की जाएगी। सरकार का दावा है कि इस तरह के योजनाओं से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जीवन को सशक्त बनाया जा सकता है। पहले चरण में हर जिले के दो चयनित स्वावलंबी गौठानों में गौमूत्र खरीदा जाएगा। इसके साथ ही महिला स्वयं सहायता समूह गौमूत्र से जीवामृत और कीट नियंत्रण उत्पादन तैयार करेंगे। इसके अलावा यह भी दावा किया जा रहा है कि गौमूत्र के खरीदी से राज्य में जैविक खेती के प्रयासों को और अधिक प्रोत्साहित किया जा सकेगा। पशुपालकों को गौमूत्र बेचकर भी अतिरिक्त कमाई हो सकेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में इसके जरिए रोजगार सृजन भी होंगे सरकार की ओर से कलेक्टरों को गौठान एवं स्वयं सहायता समूह की सूची जल्द ही उपलब्ध कराने को कहा गया है। आपको बता दें कि खुद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसी साल अप्रैल-मई में गौमूत्र खरीदने की घोषणा की थी। गौमूत्र को लेकर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और कामधेनु विश्वविद्यालय में एक अध्ययन भी चल रहा है। कुल मिलाकर देखें तो छत्तीसगढ़ की सरकार इस योजना के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था में जान फूंकने की कोशिश कर रही है।

मोदी सरकार ने पांच वर्षों में सात शहरों और नगरों के नाम बदलने को मंजूरी दी

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने विगत पांच वर्षों में सात शहरों और नगरों के नाम बदलने को मंजूरी प्रदान की हैं, जिसमें इलाहाबाद का नाम प्रयागराज करना भी शामिल है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से प्रदेश का नाम तीनों भाषाओं-बांग्ला, अंग्रेजी और हिंदी में 'बांग्ला' करने का प्रस्ताव आया है। मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज करने को 15 दिसंबर, 2018 को अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) दिया गया। उनके अनुसार, आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी शहर का नाम राजा महेंद्रवरम करने, झारखंड में नगर उंटारी का नाम श्री बंशीधर नगर करने को भी मंजूरी दी गई। मंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश के बीरसिंहपुर पाली को मां बिरासिनी धाम, होशंगाबाद का नाम नर्मदापुरम करने और बाबई का नाम माखन नगर करने को स्वीकृति दी गई।

सामूहिक संहार के हथियारों के वित्त पोषण को रोकने संबंधी संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सामूहिक संहार के हथियारों एवं उससे जुड़ी प्रणालियों के प्रसार के वित्त पोषण को रोकने के प्रावधान वाला एक विधेयक मंगलवार को राज्यसभा में पेश किया। जयशंकर ने राज्यसभा में जब 'सामूहिक संहार के आयुध और उनकी परिदान प्रणाली (विधि विरूद्ध क्रियाकलापों का प्रतिषेध) संशोधन विधेयक, 2022' पेश किया, उस समय विपक्षी सदस्य महंगाई सहित विभिन्न मुद्दों पर सदन में हंगामा कर सरकार से जवाब की मांग कर रहे थे। सदन में शोरगुल होने के कारण विधेयक के बारे में विदेश मंत्री जयशंकर की बात ठीक से सुनी नहीं जा सकी। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से अनुरोध किया कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण विधेयक है, इसलिए वे व्यवधान नहीं उत्पन्न करें।

लेकिन इसके बाद सदन में हंगामा जारी रहा और सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। विधेयक के उद्देश्यों एवं कारणों में कहा गया है कि हाल ही में अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा सामूहिक संहार के हथियारों एवं उनकी परिदान (डिलीवरी) प्रणालियों के प्रसार से संबंधित विनियमों का विस्तार किया गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लक्षित वित्तीय प्रतिबंध एवं वित्तीय कार्रवाई कार्य बल की सिफारिशों को सामूहिक संहार के हथियारों एवं उनकी परिदान प्रणालियों के प्रसार के खिलाफ लागू किया गया है।

इसमें कहा गया है कि उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए मूल अधिनियम को संशोधित करने की जरूरत है ताकि सामूहिक संहार के हथियारों एवं उनकी परिदान प्रणालियों के प्रसार को वित्त पोषित करने के विरूद्ध उपबंध किया जा सके जिससे हम अपनी अंतरराष्ट्रीय बाध्यताओं को पूरा कर सकें। विधेयक में सामूहिक संहार के हथियारों एवं उनकी परिदान प्रणालियों के संबंध में किसी भी क्रियाकलाप के वित्त पोषण को निषेध किया गया है। इसमें केंद्र सरकार को इसतरह के वित्त पोषण का निवारण करने के लिये निधियों एवं अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों या आर्थिक संसाधनों पर रोक, अधिग्रहण या कुर्की करने का अधिकार दिया गया है।

सेना में सेवा के दौरान दिव्यांगता होने पर ही दिव्यांग पेंशन के हकदार होंगे जवान: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सेना के जवान दिव्यांग पेंशन पाने के हकदार तभी माने जाएंगे, जब दिव्यांगता सेना में सेवा के दौरान हुई हो या सेवा के दौरान बढ़ गई हो। उनकी दिव्यांगता 20 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए। न्यायमूर्ति अभय एस ओक और न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश की पीठ ने केंद्र की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई की, जिसमें सशस्त्र बल न्यायाधिकरण द्वारा सेना के जवान को दिव्यांग पेंशन दिए जाने के आदेश को चुनौती दी गई है। शीर्ष अदालत ने अतिरिक्त सॉलीसिटर जनरल के एम नटराज की इस दलील से सहमति जताई कि सशस्त्र बलों के किसी जवान को आई चोट से दिव्यांगता होने और उसकी सैन्य सेवा के बीच तर्कसंगत संबंध होना चाहिए। पीठ ने कहा, जब तक दिव्यांगता सैन्य सेवा से जुड़ी न हो या उसके कारण बढ़ी न हो और 20 प्रतिशत से अधिक न हो, तब तक दिव्यांग पेंशन की पात्रता पैदा नहीं होती। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में जवान जब छुट्टी लेकर एक स्थान पर गया तो उसके दो ही दिन बाद वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। पीठ ने कहा वादी को लगी चोटों और उसकी सैन्य सेवा के बीच किसी भी तरह का कोई संबंध नहीं है। न्यायाधिकरण ने इस पहलू की पूरी तरह से अनदेखी की है, जो मामले की जड़ है। इसलिए वादी दिव्यांग पेंशन पाने का हकदार नहीं है।

गोपालगंज जहरीली शराब कांड को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची बिहार सरकार, जल्द होगी सुनवाई

नई दिल्ली । बिहार के गोपालगंज में जहरीली शराब कांड को लेकर बिहार सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई करने की बात कही है। बिहार सरकार ने पटना हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें 9 गुनहगारों की फांसी की सजा को रद्द कर दिया गया था और 4 की उम्रकैद का फैसला पलट दिया था। यह मामला सन 2016 का है। गोपालगंज के खजूरबानी में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत हो गई थी और 6 लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। सन 2016 में खजूरबानी में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों को लेकर नगर थाने में एफआईआर संख्या 347/16 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसमें जहरीली शराब बनाने और जान लेने का आरोप था। इसके बाद नगर थाना पुलिस ने खजुरबानी गांव के नगीना पासी, रुपेश शुक्ला सहित कुल 14 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है।

कांग्रेस विधायक ने कहा, भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा को खरोंच भी आई तो भूकंप आ जायेगा

जयपुर। (एजेंसी)।

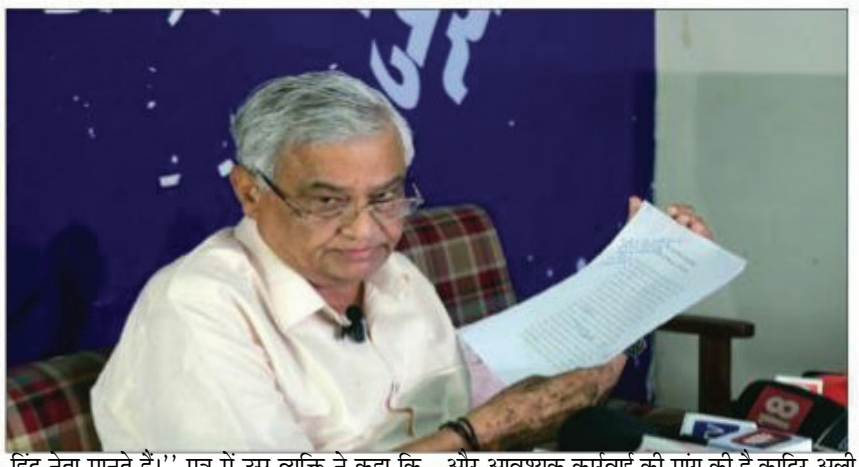

भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा को जान से मारने की मिली धमकी पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए एक कांग्रेस विधायक ने कहा कि सांसद को खरोंच भी आई तो भूकंप आ जायेगा। प्रतापगढ़ के कांग्रेस विधायक रामलाल मीणा ने सोमवार रात सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा,'' डॉ किरोड़ी लाल मीणा को धमकी ठीक है, लेकिन अगर उन्हें कोई खरोंच आई तो ''भूकंप'' आ जायेगा। पार्टी अलग हो सकती है, लेकिन डॉ साहब गरीबों के मसीहा हैं। उनमें हमेशा सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की भावना रहती है। '' मीणा को धमकी भरे पत्र के बारे में उन्होंने कहा कि राजनीतिक कारणों से किसी ने ऐसा किया होगा। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री जल्द ही मामले की तह तक जाएंगे और दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा।

किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को नयी दिल्ली में अपने पंडारा रोड बंगले पर जान से मारने की धमकी भरा हस्तलिखित नोट मिलने के बाद शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर मामले की जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई करने के लिये कहा है। खुद को कादिर अली राजस्थानी बताने वाले एक व्यक्ति ने नोट में कहा है कि भाजपा सांसद ''मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलते हैं और हिन्दुओं की वकालत करते हैं और खुद को हिंदू नेता मानते हैं।'' पत्र में उस व्यक्ति ने कहा कि कुछ दिन पहले मीणा ने उदयपुर हत्याकांड के मृतक कन्हैया लाल के परिवार को एक महीने का वेतन देने की घोषणा की थी और मुसलमानों को तालिबानी कट्टरपंथी कहा था। कतिपय पत्र में पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने वालों को सबक सिखाने की बात कही गई है। किरोडी मीणा ने एक बयान में कहा, ''मैं इस प्रकार की धमकियों से डरने वाला नहीं हूं। मैं लगातार जिहादियों और इन्हें संरक्षण देने वाली राजनीतिक शक्तियों की पोल खोलता रहूंगा। चाहे मेरी जान ही क्यों न चली जाए।'' मीणा ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और नई दिल्ली के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर मामले की जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है कादिर अली ने पत्र में कहा, ''जो गुस्ताखी करने वालो की मदद करेगा , उसको हम सबक सिखा देंगे, भले ही वह बडा नेता ही क्यों ना हो।इसलिये अब किरोड़ीलाल मीणा अब तेरा नंबर है क्योंकि तू खुद को बड़ा नेता हिन्दूवादी नेता और हिन्दुओं के पैरोकार समझ कर हम मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलता रहा है।'' भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा का समर्थन करने पर उदयपुर के दर्जी कन्हैयालाल की उसकी दुकान पर दो लोगो ने 28 जून को चाकू से निमर्म हत्या कर दी थी। निलंबित भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने एक टीवी बहस के दौरान पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कुछ कथित विवादास्पद टिप्पणी की थी।

महाराष्ट्र के वाशिंम में नीट परीक्षा के दौरान उतरवाया गया हिजाब, परिजनों ने किया हंगामा

मुंबई । हिजाब को लेकर फिर विवाद छिड़ गया है। रविवार को नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) की परीक्षा के दौरान कुछ मुस्लिम छात्राओं ने जबरन हिजाब उतरवाने का आरोप लगाया। दरअसल महाराष्ट्र के वाशिम जिले में नीट परीक्षा देने वाली कुछ मुस्लिम छात्राओं का दावा है कि उनसे एग्जाम देने से पहले बुर्का और हिजाब उतरवाया गया। परीक्षा केंद्र के ठीक बाहर कुछ छात्राओं के परिवार वाले पुलिस वाले से इस लेकर बहस करते नजर आए। परीक्षा केंद्र पर मुस्लिम छात्रों का जबरन हिजाब उतरवाए जाने का मामला जब परिवार वालों तक पहुंचा, तब उनका गुस्सा फूट पड़ा। छात्राओं का आरोप है कि परीक्षा केंद्र में नकाब और हिजाब उतरवाया गया। जब कुछ छात्राओं ने इसका विरोध किया, तब उन्हें धमकाया गया। कुछ पीड़ित छात्राओं के माता-पिता ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद मामले की जांच की जा रही है। वासिम के डिप्टी एसपी का कहना है कि मातोश्री शांताबाई कॉलेज में कुछ मुस्लिम छात्राएं बुर्का लगाकर आईं थीं। जिन्हें सेंटर पर बुर्का उतारने को कहा गया। एक पीड़ित छात्रा ने कहा कि संबंधित कॉलेज के अधिकारियों की तरफ से पहले उन्हें परीक्षा के लिए परिसर में आने की अनुमति दी और फिर बाद में उन्हें अपना हिजाब और बुर्का बाहर निकालने के लिए कहा गया। केरल के कोल्लम जिले के एक प्राइवेट शिक्षण संस्थान में नैशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट (एनईईटी) का एग्जाम देने आईं छात्राओं का आरोप है कि उन्हें उस वक्त बहुत असहज स्थिति से गुजरना पड़ा जब उनसे अंडर गारमेंट्स के कुछ हिस्से उतारने को कहा गया। मेडिकल में दाखिले के लिए होने वाली नीट परीक्षा रविवार को हुई थी।

सरकार ने कहा, जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून लाने संबंधी कोई विचार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में जनसंख्या के मामले में भारत द्वारा अगले साल चीन को पीछे छोड़ देने का अनुमान व्यक्त किए जाने के कारण देश में इस मुद्दे को लेकर छिड़ी बहस के बीच मंगलवार को केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून लाने पर वह कोई विचार नहीं कर रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब मेंकेंद्र सरकार के इस रुख के बारे में यह जानकारी दी। भारती प्रवीण पवार ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, जो राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है ताकि 2045 तक जनसंख्या स्थिरीकरण के लक्ष्य के साथ परिवार नियोजन की अपूर्ण रह गयी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि पर लगाम लगाने के सरकार के प्रयास सफल रहे हैं और इसकी बदौलत 2019-21 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) घटकर 2.0 रह गई जो प्रतिस्थापन स्तर से नीचे है। उन्होंने कहा कि 36 राज्यों व संघ शासित क्षेत्रों में से 31 ने प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन क्षमता हासिल कर ली है। पवार ने कहा कि आधुनिक गर्भनिरोधक उपयोग बढ़कर 56.5 प्रतिशत हो गया है जबकि परिवार नियोजन की अधूरी आवश्यकता केवल 9.4 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि 2019 में कच्ची जन्म दर (सीबीआर) घटकर 19.7 रह गई है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, सरकार किसी भी विधायी उपाय पर विचार नहीं कर रही है।''

दरअसल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य जॉन ब्रिटास ने एक केंद्रीय मंत्री द्वारा जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून लाए जाने के दावे का हवाला देते हुए सरकार से इस बारे में उसका रुख जानना चाहा था। भारत के अगले साल दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकल जाने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में गत दिनों यह जानकारी दी गई। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या प्रखंड के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग द्वारा विश्व जनसंख्या संभावना 2022 में कहा गया कि वैश्विक जनसंख्या 15 नवंबर, 2022 को आठ अरब तक पहुंचने का अनुमान है।

सहकारी संस्थाओं पर कोविड के असर का आकलन करेगा एनसीयूआई: अमित शाह

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) सहकारी इकाइयों पर कोविड महामारी के प्रभाव का आकलन करने के लिए अध्ययन करेगा। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। शाह ने कहा कि कोरोना महामारी ने सभी क्षेत्रों पर असर डाला है जिनमें सहकारी संस्थाएं भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि बहरहाल, सरकार ने कई कदमों/पैकेज के माध्यम से राहत पहुंचाई है ताकि विभिन्न क्षेत्रों के सामने खड़ी चुनौतियों को कम किया जा सके। उन्होंने कहा, ''सहकारी संस्थाओं पर कोरोना महामारी के असर का आकलन करने के लिए एनसीयूआई की तरफ से अध्ययन किया जा रहा है।''मंत्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) ने सहकारी संस्थाओं को वित्तीय सहयोग बढ़ा दिया है। एनसीडीसी की ओर से 2021-22 में 34,221.08 करोड़ रुपये की मदद और 2020-21 में 24,733.24 करोड़ रुपये की मदद दी गई।

बॉर्डर पार कर नूपुर शर्मा की हत्या करने आया रिजवान, बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिए को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान से आया घुसपैठिया निलंबित भाजपा नेता नूपुर शर्मा को पैगंबर मोहम्मद पर उनकी टिप्पणियों को लेकर मारने की योजना बना रहा था। 16 जुलाई को वो राजस्थान के अजमेर जा रहा था। जब उसे राजस्थान के श्री गंगा नगर जिले में भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ के जवानों ने रोक लिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने दावा किया कि उसे नुपुर शर्मा को मारने के लिए भेजा गया था। पाकिस्तानी नागरिक की पहचान रिजवान अशरफ के रूप में हुई है। उसके पास से लंबे चाकू और धार्मिक ग्रंथ बरामद किए गए हैं। खुफिया ब्यूरो (आईबी) और अन्य खुफिया एजेंसियों की एक संयुक्त टीम गिरफ्तार पाकिस्तानी घुसपैठिए से पूछताछ कर रही है। उसे 24 जुलाई तक के लिए हिरासत में भेज दिया गया है।

पीएफआई के निशाने पर नूपुर शर्मा

इस बीच पटना आतंकी मॉड्यूल मामले की चल रही जांच में एक नया खुलासा हुआ है कि निलंबित बीजेपी नेता नुपुर शर्मा राजनीतिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के निशाने पर हो सकती हैं।पटना पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी के हवाले से इंडिया टुडे ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि पटना टेरर मॉड्यूल केस में गिरफ्तार अतहर परवेज के मोबाइल फोन से नूपुर शर्मा के दिल्ली स्थित आवास का पता मिला है।

'मुर्गा लड़ा रही है बीजेपी', उद्धव ठाकरे बोले- तीर चलाने के लिए जो धनुष चाहिए वह मेरे पास ही है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। विधायकों के बगावत के बाद अब सांसद भी बागी तेवर दिखा रहे हैं। कई सांसदों के एकनाथ शिंदे के गुट के साथ होने के दावे भी किए जा रहे हैं। खबर तो यह भी है कि एकनाथ शिंदे गुट शिवसेना पर दावा करने की तैयारी में है। इन सब के बीच आज एक बार फिर से उद्धव ठाकरे ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उद्धव ठाकरे ने साफ तौर पर कहा है कि बीजेपी मुर्गा लड़ा रही है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के लोग गद्दार नहीं है। भाजपा ने हमारे लोगों को गुमराह किया है। उन्होंने यह भी कह दिया कि शिवसेना को भाजपा पूरी तरीके से खत्म करना चाहती है।

शिवसेना पर शिंदे गुट के दावे पर उन्होंने कहा कि मेरे तरकस से कितने भी तेल निकाल लो असली शिवसेना मेरे ही पास रहेगा। उन्होंने कहा कि तीर चलाने के लिए जो धनुष चाहिए वह मेरे पास ही है। इससे पहले शिवसेना के वरिष्ठ नेता

संजय राउत ने कहा कि पार्टी अपने चुनाव चिह्न और संगठन पर नियंत्रण की खातिर लड़ाई के लिए तैयार है। शिवसेना को हाल ही में बड़े पैमाने पर विद्रोह का सामना करना पड़ा है। राउत ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महाराष्ट्र को तीन हिस्सों में बांटने की कोशिश कर रही है और शिवसेना में विभाजन कराना भाजपा की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि शिंदे ने शिवसेना संसदीय दल को ऐसे समय पर तोड़ने की कोशिश की, जब राज्य कुछ हिस्सों में भारी बाढ़ से निपटने के लिए प्रयास कर रहा था।

शिवसेना के 12 बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से भेंट की

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पुत्र एवं सांसद श्रीकांत शिंदे सहित शिवसेना के 12 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भेंट की और उनसे निचले सदन में अपनी पार्टी का नेता बदलने का आग्रह किया। शिवसेना के बागी सांसदों ने ऐसे समय में बिरला से भेंट की जब एक दिन पहले ही पार्टी के सदन के नेता विनायक राउत ने लोकसभा अध्यक्ष को एक पत्र सौंपा था जिसमें विरोधी खेमे से कोई ज्ञापन स्वीकार नहीं करने का अनुरोध किया गया था। बिरला से मुलाकात करने वाले शिंदे गुट के 12 सांसदों में शामिल हेमंत गोडसे ने कहा कि शिवसेना के 12 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा-अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और विनायक राउत के स्थान पर राहुल शेवाले को सदन में पार्टी का नेता नियुक्त करने का आग्रह किया।

राहुल गांधी का सरकार पर निशाना, बोले- संसद में चर्चा और सवालों से भागना सबसे असंसदीय है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

संसद का मानसून सत्र चल रहा है। विपक्ष की ओर से महंगाई को लेकर सरकार को जबरदस्त तरीके से घेरा जा रहा है। संसद के दोनों सदनों में विपक्ष इस पर लगातार हंगामा कर रहा है। यही कारण है कि आज दूसरे दिन भी दोनों सदनों की कार्यवाही ठीक से नहीं चल पाई। जिसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। इन सबके बीच राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर जबरदस्त तरीके से तंज कसा है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में चर्चा और सवालों से भागना सबसे असंसदीय है। अपने ट्वीट में राहुल गांधी ने लिखा कि रुपया पहुंचा 80 पार, गैस वाला मांगे ? हज़ार, जून में 1.3 करोड़ बेरोज़गार, अनाज पर भी टैक्स का भार। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दे उठाने से हमें कोई रोक नहीं सकता, सरकार को जवाब देना ही पड़ेगा।

राहुल गांधी ने कहा कि संसद में चर्चा और सवालों से भागना सबसे 'असंसदीय' है, प्रधानमंत्री जी। कांग्रेस लगातार महंगाई के खिलाफ सरकार पर हमलावर है। कांग्रेस की ओर से हाल में ही जरूरी खाद्य वस्तुओं पर लगाए गए जीएसटी के विरोध में आज प्रदर्शन भी किया गया। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सभी विपक्षी पार्टियां है वो लड़ रही है और हम लड़ेंगे। जो रोज़मर्रा की चीज़ों पर लगाए जाने वाले टैक्स के खिलाफ हम प्रदर्शन कर रहे हैं। दूध, दही, पनीर जैसी चीज़ों पर टैक्स लगाया गया है इसके खिलाफ हम संसद में भी अपनी बात रखेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस सांसदों के साथ संसद में विरोध-प्रदर्शन भी किया।

संसद में हंगामा

संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी लोकसभा में कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने महंगाई, अग्निपथ योजना, जीएसटी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भारी शोर-शराबा किया जिसके कारण मंगलवार को सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे बैठक पुनः शुरू हुई तो पीठासीन सभापति किरीटभाई सोलंकी ने

आवश्यक दस्तावेज सभापटल पर रखवाए। इस दौरान विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। महंगाई, कुछ आवश्यक खाद्य पदार्थों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाए जाने और रक्षा सेवाओं में भर्ती की अग्निपथ योजना जैसे मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।